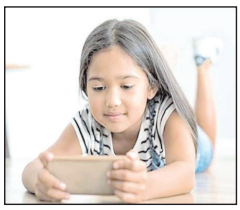

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

▪ ग्वालियर ▪ वर्ष : 2 ▪ अंक : 39 | ग्वालियर, सोमवार 07 नवम्बर 2022 | पृष्ठ 8 ▪ मूल्य : 2 रु.

-चीतों को अब अभ्यारण्य में छोड़ना कर दिया गया शुरू

कूनो लाए गए नामीबिया के 2 चीतों का क्वारंटाइन खत्म

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो पालपुर अभ्यारण्य में लाए गए 8 चीतों की क्वारंटाइन अवधि अब खत्म हो गई है। अब इन चीतों को अभयारण्य में छोडना प्रारंभ कर दिया गया है। कल दो चीतों को अभयारण्य में छोडा गया। अन्य 6 को भी अगले कुछ दिनों में क्वारंटीन बाड़े से आजाद कर दिया जाएगा। इस बारे में पीएम ने ट्वीट किया, 'अच्छी खबर है!

मुझे बताया गया है कि अनिवार्य क्वारंटीन के बाद, 2 चीतों को कुनो निवास स्थान में और अनुकूलन के लिए एक बड़े बाड़े में छोड़ दिया गया है। अन्य को जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। यह जानकर भी खुशी हुई कि सभी चीते स्वस्थ और सक्रिय हैं, कूनो नेशनल पार्क की जलवायु के साथअच्छी तरह से तालमेल बिठा रहे हैं।'भारत में 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत 8 नामीबियाई चीतों को प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के जन्मदिन के दिन कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा गया था। खुद प्रधानमंत्री ने इन्हें बाड़े में छोड़ा था। अब दो चीतों को बड़े बाड़े में छोड़ दिया गया है, जो और बड़े एरिया में आसानी से घूम फिर पाएंगे। दरअसल, नामीबिया और भारत की जलवायु में अंतर होने के कारण इन चीतों को पहले कुछ दिन निगरानी में रखा गया था और यह इंतजार किया जा रहा था कि ये कूनो नेशनल पार्क के वातावरण में सेटल हो जाएं।कूनो के एक अधिकारी ने कहा कि चीता बोमास या बड़े बाड़ेमें स्थानांतरित होने की प्रतीक्षा कर रहे थे, जहां वे शिकार का अभ्यास कर सकते हैं। वे एक या दो महीने के लिए बोमास में रहेंगे और फिर मुख्य पार्क में छोड़ दिए जाएंगे। यह महत्वपूर्ण है कि वे शिकार का अभ्यास करें और नई शिकार प्रजातियों के अभ्यस्त हों। हम निगरानी करेंगे कि वे नई शिकार प्रजातियों को पसंद कर रहे हैं या अभ्यस्त हो रहे हैं।

पर्यावरण मंत्रालय के अधिकारियों ने सितंबर में कहा था कि चीतल, सांभर, नीलगाय, जंगली सुअर, चौसिंघा, लंगूर आदि के साथ कूनो में चीतों के लिए अच्छा शिकार आधार है। एनटीसीए के सदस्य सचिव एसपी यादव ने कहा कि अफ्रीका में चीते इम्पाला, गजेल्स जैसे वन्य जीवों का शिकार करते हैं, जो बहुत तेज होते हैं। इसकी तुलना में भारतीय वन्य जीवों का शिकार करना चीतों के लिए आसान होगा।देश में लंबे वक्त के बाद चीतों की वापसी हुई है, उनसे लोगों को परिचित कराने के लिए केंद्र सरकार ने लोगों से चीतों का नाम बदलने के लिए सुझाव भेजने की अपील की थी, जिसकी समय सीमा गत 31 अक्टूबर को खत्म हुई। रविवार तक चीतों के लिए 10,857 नाम सुझाए गए थे और भारत में चीता परियोजना के नामकरण पर 16,670 सुझाव दिए गए थे। वर्तमान में 8 चीतों के नाम एल्टन, फ्रेडी, ओबन, साशा, सियाया, सवाना त्बिलिसी और आशा हैं।

आठवें मादा चीते को खुद पीएम मोदी ने आशा नाम दिया था, उसका पहले से कोई नाम नहीं था, क्योंकि उसे नामीबिया के जंगलों से भारत लाने के कुछ ही वक्त पहले पकड़ा गया था। अभयारण्य में खुला छोड देने से ये चीते 50 दिन बाद अब शिकार भी कर पाएंगे, क्योंकि पार्क में चीतों के शिकार के लिए चीतल, हिरण जैसे जानवर मौजूद रहेंगे। कूनो नेशनल पार्क के अधिकारियों ने बताया कि अभी 2 नर चीते बड़े बाड़े में रिलीज किए गए हैं, अन्य को भी जल्द बड़े बाड़े में छोड़ा जाएगा।

शिमला में नड्डा ने किया किया सघन जनसंपर्क, रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी के लिए मांगा समर्थन

शिमला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शिमला में लोअर बाजार बाजार में जनसंपर्क अभियान में हिस्सा लिया। यह अभियान शिमला के प्रत्याशी संजय सूद के समर्थन में चलाया गया। भाजपा ने प्रदेशभर में रविवार को सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। राजधानी शिमला के लोअर बाजार में अभियान के तहत रोड शो किया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पूरे बाजार में भाजपा के पत्रक बांटे। इस दौरान मुख?यमंत्री जयराम ठाकुर के साथ भाजपा के अन्य दिग्गज नेता भी मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी अपने 68 मंडलों में जनसंपर्क के अनेकों कार्यक्रम चला रही है। जेपी नड्डा ने रिज व आसपास जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान लोगों के साथ बातचीत भी की व भाजपा की मोदी व जयराम सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील की। भारी संख्या में एकत्र कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों के साथ जमकर नारेबाजी की। उपायुक्त कार्यालय से लेकर लोअर बाजार होते हुए शेर ए पंजाब तक नड्डा का यह रोड़ शो चला। शिमला शहर से भाजपा प्रत्याशी संजय सूद के समर्थन में रोड शो किया गया। शहर के लोगों का इस रोड़ शो में खास ही उत्साह देखने को मिला। जेपी नड्डा के स्वागत में सड़क के दोनों किनारे हजारों लोग एकत्रित थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का शिमला में यह दूसरा रोड शो है। इससे पहले बीते शुक्रवार को कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र के न्यू शिमला में भाजपा प्रत्याशी सुरेश भारद्वाज के लिए रोड शो किया था।

● वन-टू-वन

घर के बाथरूम में मृत पाए गए 34 वर्षीय रैपर-सिंगर एरोन कार्टर

कैलिफोर्निया। पॉपुलर सिंगर, रैपर और एक्टर एरोन कार्टर का 34 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह 'बैकस्ट्रीट बॉयज़' बैंड के मेंबर निक कार्टर के भाई थे। रिपोर्ट के मुताबिक वह सुबह कैलिफोर्निया के लैंकेस्टर स्थित अपने घर के बाथरूम में मृत पाए गए। एरोन की टीम के एक प्रतिनिधि ने कहा हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हुआ और इसका कारण क्या था। प्रतिनिधि ने कहा हम परेशान हैं और उम्मीद करते हैं कि फैंस उनके लिए प्रार्थना करें और उनके परिवार को सांत्वना दें। एरोन कार्टर की मौत की खबर सामने आने के तुरंत बाद, सिंगर टायलर हिल्टन ने ट्विटर पर इसे 'दिल तोड़ने वाला' बताया। उन्होंने उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की और एक लंबा ट्वीट किया। टायलर हिल्टन ने लिखा, नहींज एरोन कार्टर की यह खबर दिल दहला देने वाली है। इस बच्चे में बहुत चिंगारी थी। मैं उसे सालों से जानता था। सब हमेशा उन्हें सच में पसंद करते हैं, वह खुशमिजाज और मजाकिया युवक था। यह बेहद दुखद है। एरोन कार्टन के निधन पर बॉय बैंड 'न्यू किड्स ऑन द ब्लॉक' ने दुख जताया है। उन्होंने एरोन की एक तस्वीर शेयर करते हुए अपने ट्वीट में लिखा, हम एरोन कार्टर के आकस्मिक निधन से स्तब्ध और दुखी हैं। कार्टर के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में बार के बाहर हुई फायरिंग में 12 लोग घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में केंसिंग्टन इलाके में एक बार के बाहर की गई फायरिंग में 12 लोग घायल हो गए हैं। फायरिंग की यह घटना शनिवार की रात ईस्ट एलेघेनी और केंसिंग्टन एवेन्यू के इलाके में हुई। घायलों की मौजूदा हालत के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। यह अब तक साफ नहीं हुआ है कि गोली मारने का कारण क्या है? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घटना के कई दृश्यों में पुलिस वाहनों को फिलाडेल्फिया के उस बार के पास खड़ा दिखाया गया है, जहां फायरिंग की सूचना मिली थी। कई पुलिस कर्मी फिलाडेल्फिया के केंसिंग्टन में जैक्स बार के बाहर सामूहिक फायरिंग की घटना के बाद पहुंच चुके हैं। फिलाडेल्फिया पुलिस विभाग के इंस्पेक्टर डीएफ पेस ने कहा कि पीड़ितों को केंसिंग्टन और एलेघेनी एवेन्यू के पास गोली मारी गई थी। उनकी मेडिकल कंडीशन के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। पुलिस के मुताबिक फायरिंग रात 11 बजे से कुछ पहले हुई। पुलिस इस मामले में अभी को तुरंत गिरफ्तारी नहीं कर सकी है। अमेरिका के शहरों में लगातार फायरिंग की घटनाएं होती रहती हैं और इनमें कई मासूमों की जान जाती है। अमेरिका में बंदूकों पर लाइसेंस नहीं होने से वहां गन कल्चर बहुत लोकप्रिय है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है।

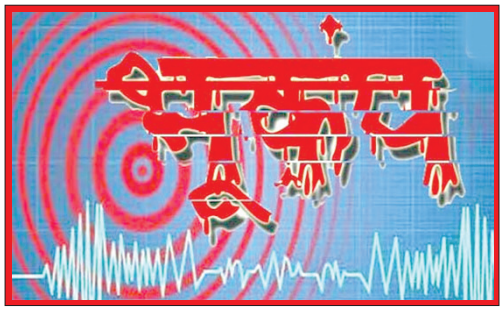

उत्तराखंड में कई स्थानों पर महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.7 मापी गई तीव्रता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में रविवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस दौरान लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। यह झटके रुद्रप्रयाग, देहरादून, मसूरी से लेकर उत्तरकाशी तक महसूस किए गए। डुंडा भटवाड़ी, बड़कोट नौगांव क्षेत्र में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई है। अब तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के चिन्यालीसौंड से 35 किमी दूर बताया जा रहा है। भूकंप के झटके टिहरी में भी महसूस किए गए। जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने आपदा प्रबंधन परिचालन केंद्र से सभी तहसीलों से जानमाल के नुकसान की सूचना लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि कहीं से भी जान माल के नुकसान की सूचना अब तक प्राप्त नहीं हुई है। सभी तहसीलों से सूचना ली जा रही है। उत्तराखंड में चीन सीमा से सटे उत्तरकाशी जिले में रविवार सुबह करीब 8.33 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग दहशत में आ गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.7 बताई जा रही है। भूकंप की वजह से अब तक कहीं से जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। भूगर्भीय दृष्टि से संवेदनशील उत्तरकाशी भूकंप के जोन 4 व 5 में स्थित है। 2 अक्टूबर 2022 को भी उत्तरकाशी में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता 2.5 रिक्टर थी। इससे पहले 20 अक्टूबर 1991 को यहां आए भूकंप में आठ सौ से अधिक लोग मारे गए थे, जबकि सैकड़ों परिवार बेघर हो गए थे। इसके बाद 1999 में आए भूकंप ने भी भारी विनाश किया था। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड भूकंप के अति संवेदनशील जोन 5 में आता है। ऐसे में हिमालयी प्रदेशों में उत्तराखंड भूकंप के लिहाज से संवेदनशी राज्य है और यहां विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। उत्तराखंड में उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, कुमाऊं के कपकोट, धारचूला, मुनस्यारी भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं।

तंजानिया में झील में गिरा यात्री विमान, यात्रियों को बचाने के लिए शुरू किया गया अभियान

डोडोमा। तंजानिया की विक्टोरिया झील में एक यात्री विमान गिर गया है। बचाव दल ने अब तक 15 लोगों को बचा लिया है। अब तक यह जानकारी नहीं मिल सकी है कि विमान में कितने लोग सवार थे। इस हादसे में मरने वालों के बारे में भी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मिली जानकारी के मुताबिक, तंजानिया के कागेरा क्षेत्र में बुकोबा में विक्टोरिया झील में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। बचाव के प्रयास जारी हैं। विमान प्रिसिजन एयर का है। झील में कई लोगों के डूबने की आशंका है। विमान के झील में डूबे होने की तस्वीरें सामने आई हैं। क्षेत्रीय पुलिस कमांडर विलियम म्वामपाघले ने बुकोबा हवाई अड्डे पर कहा, एक प्रेसिजन एयर विमान में दुर्घटना हुई है, जो हवाई अड्डे से लगभग 100 मीटर की दूरी पर पानी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है, लेकिन स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि वित्तीय राजधानी दारएस सलाम से झील के किनारे शहर के लिए उड़ान में लगभग 49 लोग सवार थे। म्वामपाघले ने कहा, स्थिति नियंत्रण में है, क्योंकि सुरक्षा दल लोगों को बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वहीं, प्रेसिजन एयर, जो तंजानिया की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन है, ने दुर्घटना की पुष्टि करते हुए एक संक्षिप्त बयान जारी किया है।

इमरान के आरोप बेबुनियाद, जांच के लिए सीजेपी से करेंगे पूर्ण न्यायालय आयोग बनाने का अनुरोध : शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने ऊपर किए गए हमले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया है। इसके बाद पाकिस्तान की सेना और प्रधानमंत्री शहवाज शरीफ इमरान खान पर हमलावर हैं। इमरान खान के खिलाफ अब सड़कों पर प्रदर्शन शुरू हो गए हैं तो सेना ने सैन्य अफसर के ऊपर मनगढ़ंत आरोप लगाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

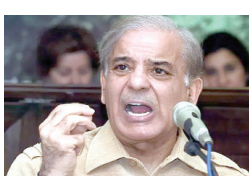

कई जगह इमरान समर्थकों ने सेना के खिलाफ भी नारेबाजी की है। इस मुद्दे पर लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। पूरे घटनाक्रम को लेकर अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भी बयान जारी किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्वीट कर इमरान खान पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग को भी सार्वजनिक

किया है। शहबाज शरीफ ने ट्वीट किया कि 'इमरान नियाज़ी अराजकता फैलाने के लिए आदतन बेबुनियादी आरोप और झूठ का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने लिखा सरकार ने पकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश से इमरान के आरोपों की जांच के लिए एक पूर्ण न्यायालय आयोग बनाने का अनुरोध करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय संस्थानों को कमजोर करने के उनके गेम प्लान को लोगों के सामने लाकर रहेंगे।

गौरतलब है कि 3 नवंबर को गुजरांवाला में एक रैली के दौरान इमरान खान पर हमला किया गया था। इस हमले के बाद इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने बयान जारी कर कहा कि इमरान को मारने के लिए साजिश रची गई। साजिश के लिए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ, गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह और मेजर जनरल फैसल को जिम्मेदार ठहराया गया। घटना के अगले दिन व्हीलचेयर पर आकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी बयान दिया था कि मुझे मारने का प्लान बनाया गया। इसके लिए बंद कमरे में साजिश रची गई। उन्होंने दावा किया कि उनके पास वीडियो क्लिप भी है। उन्होंने भी इन्हीं तीन लोगों को हमले का जिम्मेदार बताया। इमरान खान के आरोपों पर पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने दावा किया कि इमरान को चार गोलियां नहीं लगीं। उनके चोटिल होने की कहानी भी झूठी है।

रूसी सेना ने यूक्रेन पर जमकर बरसाए गोले

कीव)। यूक्रेन के सरकारी बिजली ऑपरेटर ने ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रूस के भीषण हमलों के बाद कीव और सात अन्य क्षेत्रों में निर्धारित कार्यक्रम के तहत बिजली आपूर्ति रोकने की घोषणा की। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया है, जब रूसी सेना ने मिसाइल और ड्रोन के साथ यूक्रेन के शहरों और गांवों पर बमबारी जारी रखी है, जिससे बिजली संयंत्रों, पानी की आपूर्ति तथा अन्य बुनियादी

ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है। रूस ने इस बात से इनकार किया है कि यूक्रेन में इस्तेमाल किए गए ड्रोन ईरान से आए थे। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन ने पहली बार शनिवार को आक्रमण से पहले मॉस्को को सीमित संख्या में ड्रोन की आपूर्ति करने की बात स्वीकार की। विदेश मंत्री ने दावा किया कि ईरान को यह नहीं पता कि यूक्रेन के खिलाफ उसके ड्रोन का इस्तेमाल किया गया या नहीं। उन्होंने संघर्ष को रोकने के लिए ईरान की प्रतिबद्धता को दोहराया। यूक्रेन की हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइन के एकमात्र ऑपरेटर यूक्रेनर्गो ने हाल ही में एक ऑनलाइन बयान में कहा कि राजधानी और विस्तारित कीव क्षेत्र के साथ-साथ इसके आसपास के कई इलाकों चेर्निहाइव, चर्कासी, जाइटॉमिर, सूमी, पोल्तावा और खारकीव में बिजली आपूर्ति रोकी जाएगी। बयान में कहा गया है कि उपभोक्ताओं के कुछ समूहों के लिए रोजाना प्रत्येक क्षेत्र के लिए वितरण नेटवर्क के ऑपरेटर द्वारा तैयार एक विशेष कार्यक्रम के अनुसार बिजली आपूर्ति रोकी जाएगी।

न्यूज़ ट्रैक....

बांग्लादेश ने पाक को दिया 128 रनों का लक्ष्य

एडिलेड । बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में आठ विकेट पर 127 रन बनाये। नजमुल हुसैन ने सबसे ज्यादा 54 जबकि अलिफ हुसैन ने 24 रन बनाये। सौम्य सरकार 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं लिटन दास ने 10 रन बनाये। इनके अलावा अन्य कोई भी बांग्लादेशी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच पाया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पॉवरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 40 रन बनाये। पॉवरप्ले में आउट होने वाले एकमात्र खिलाड़ी लिटन कुमार दास 10 रहे। पाक की ओर से शाहीन अफरीदी ने सबसे ज्यादा चार जबकि शादाब खान ने दो विकेट लिए। इसके अलावा हारिस राउट और इफ्तेखार को एक-एक विकेट मिला। अंकतालिका की बात करें तो पाकिस्तान की टीम अपने चार मुकाबलों में दो हार और दो जीत के बाद चार अंक (+1.117) अंको के साथ तीसरे स्थान पर स्थित है। वहीं बांग्लादेश की टीम भी अपने चार मुकाबलों में दो हार एवं दो जीत के साथ चार अंक (-1.276) अंक लेकर चौथे स्थान पर बनी हुई है। है।

कोहली चैंपियन हैं, सफलता हासिल करने के लिए एक रास्ता खोजते : रिकी पोंटिंग

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि लंबे समय से खराब फॉर्म में चल रहे विराट कोहली की क्षमताओं पर उनका विश्वास कभी नहीं खोया, क्योंकि चैंपियन हमेशा सफलता हासिल करने के लिए एक रास्ता खोजते हैं। कोहली चार मैचों में 220 रन के साथ सर्वोच्च फॉर्म में हैं और यहां आईसीसी टी20 विश्व कप में 220 के औसत के साथ अग्रणी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में नाबाद 82 रनों की आश्चर्यजनक पारी खेली। क्रिकेट से एक महीने के लंबे ब्रेक के बाद कोहली ने टीम में वापसी की। वह अपने पुराने फॉर्म में वापस आ गए हैं। उन्होंने भारतीय टीम को विश्वकप के मैचों में जीत दिलाई और अच्छा प्रदर्शन किया। उनके बल्ले से लगातार रन निकल रहे हैं, जिससे एक ओर जहां उनका आत्मविश्वास बढ़ा है, तब दूसरी ओर टीम को भी फायदा मिल रहा है। पोंटिंग ने कहा, 'वह लंबे समय तक तीनों प्रारूपों में खेल के चैंपियन खिलाड़ी रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, 'विराट मैच जिताने वाली पारी खेल रहे हैं, जो मुझे लगता है कि वह मैन ऑफ द मैच होने के नाते खेल में सबसे अच्छे हैं, जिन्हें मैंने कई सालों से इतनी अच्छी पारी खेलते हुए नहीं देखा।

विश्व कप के खिताबी मुकाबले में दूसरी बार आमने-सामने आ सकती है भारत-पाक

एडीलेड । टी20 विश्वकप में अब 15 साल बाद एक बार फिर टीम इंडिया और पाकिस्तान के बीच खिताबी मुकाबला होने की संभावनाएं बन रही हैं। इससे पहले साल 2007 में भी भारत और पाक के बीच टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबला खेला गया था। तब महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने पाकिस्तान को 5 रन से हराकर खिताब जीता था। वहीं अब आठवें सत्र में यह दोनो ही आमने-सामने आ सकती हैं। टीम इंडिया ग्रुप-2 में अभी 6 अंक के साथ टॉप पर है। टीम अगर अंतिम मुकाबले में जिम्बाब्वे को हरा देती है, तो ग्रुप में शीर्ष पर रहेगी। ऐसे में सेमीफाइनल में उसकी भिड़ंत इंग्लैंड से होगी। वहीं बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच चल रहे मैच की विजेता टीम अंतिम-4 के मुकाबले में न्यूजीलैंड टीम के खिलाफ उतरेगी। न्यूजीलैंड अपने ग्रुप में 7 अंक के साथ शीर्ष पर रही। वहीं इंग्लैंड के भी 7 अंक थे, लेकिन उसका नेट रनरेट न्यूजीलैंड से कम था।

इस बार का 8वां सत्र हैरान करने वाला रहा है। 2 बार की चैंपियन वेस्टइंडीज की टीम सुपर-12 में नहीं पहुंच सकी। इसके बाद आयरलैंड ने पूर्व चैंपियन इंग्लैंड को जबकि जिम्बाब्वे ने पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को हराया है। एक अन्य मुकाबले में नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर बाहर कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका की हार के साथ ही भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। भारतीय टीम ने लीग स्तर पर पाक को 5 विकेट से हराया था। यदि पाकिस्तान अहम मुकाबले में बांग्लादेश को हरा देती है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। तब सेमीफाइनल में उनकी टक्कर न्यूजीलैंड और इंग्लैंड से होगी। यहां भी अगर दोनों टीमें अपने-अपने मुकाबले जीतने में सफल रहीं तो तो 15 साल बाद फाइनल में आमने-सामने हो सकती हैं। वहीं अगर टी20 वर्ल्ड कप की बात करें, तो भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक कुल विश्वकप में कुल 7 मुकाबले खेले गए हैं। भारत ने इसमें 6 मुकाबलों में जीत दर्ज की। ऐसे में भारतीय टीम के खिताब जीतने की संभावना अधिक है।

नीदरलैंड की जीत से भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची

एडिलेड । नीदरलैंड की रविवार को यहां हुए विश्वकप सुपर-12 में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ ही जहां भारतीय क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में पहुंच गयी। वहीं इससे बांग्लादेश और पाकिस्तान की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम के पास इस मैच को जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर था। अगर वह नीदरलैंड को हरा देती तो उसके 5 मैच में 7 अंक हो जाते पर डच टीम से मिली हार से दक्षिण अफ्रीका टीम 5 अंक पर ही रह गयी। वहीं ग्रुप-2 में भारतीय टीम के पहले ही 6 अंक है। इस प्रकार उसे अंतिम चार में जगह मिल गयी। दक्षिण अफ्रीका की हार से ग्रुप-2 की अंक तालिका में भारत 6 अंक लेक पहले नंबर पर जबकि दक्षिण अफ्रीका 5 अंक के साथ दूसरे वहीं पाकिस्तान और बांग्लादेश 4-4 अंक के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर बने हुए हैं।

पाकिस्तान और बांग्लादेश में से एक टीम भारत के साथ टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश करेगी, जहां न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीमें पहले ही पहुंची हुई हैं। नीदरलैंड्स की जीत से पाकिस्तान और बांग्लादेश को भी लाभ हुआ है। अगर दक्षिण अफ्रीका जीत जाता, तो उसके 7 अंक हो जाते। ऐसे में पाकिस्तान और बांग्लादेश के सेमीफाइनल खेलने की उम्मीद डच टीम की जीत से बनी हैं। ये दोनों ही टीमें ग्रुप में अधिकतम 6 अंक ही हासिल कर सकती हैं।

फिर बदकिस्मत रही दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम एक बार फिर अपने ऊपर लगे चोकर्स के दाग को मिटा नहीं पायी है। सुपर -12 के अहम मुकाबले में उसे डच टीम नीदरलैंड ने 13 रनों से हराकर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर कर दिया। नीदरलैंड्स की इस से अब पाकिस्तान और बांग्लादेश को भी लाभ हुआ है। इनमें से अब एक टीम सेमीफाइनल में जगह बना पायेगी। दक्षिण अफ्रीका टीम इसे पहले हुए विश्वकप मुकाबलों में भी लीग स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अहम मुकाबलों में हारकर खिताबी दौड़ से बाहर होती आई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड ने 4 विकेट पर 158 रन बनाए थे। इसके बाद जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम आठ विकेट पर 145 रन ही बना पायी। स्टार खिलाड़ियों वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम लगातार संघर्ष करती दिखी। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक 13 और टेम्बा बावुमा 20 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं तीसरे नंबर पर खेलने उतरे राइले रूसो ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। आखिरी 5 ओवर में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 48 रनों की जरूरत थी पर 15वें ओवर की दूसरी गेंद पर डेविड मिलर 17 रन बनाकर आउट हो गये। ब्रैंडन ग्लेवर्स की गेंद पर वान डेर मर्वे ने उनका कैच लिया। इसी ओवर में वेन पार्नेल भी आउट हो गए।

श्रीलंकाई बल्लेबाज धनुष्का गुनातिलका बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार

जमानत नहीं मिली , सोमवार को अदलत में पेश होंगे

सिडनी । टी20 विश्व कप में हार के बाद जहां श्रीलंकाई टीम स्वदेश रवाना हो गयी। वहीं लंकाई टीम के एक क्रिकेटर धनुष्का गुनातिलका बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार होने के कारण ऑस्ट्रेलिया में ही रह गये हैं। गुनातिलका को शनिवार को सिडनी में गिरफ्तार किया गया पुलिस ने उन्हें जमानत देने से इंकार कर दिया है। इस क्रिकेटर को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। गुनातिलका तीन सप्ताह पहले ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर को गये थे और उनकी जगह आशेन बंडारा को टीम में शामिल किया गया था। इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने गुनातिलका को घर भेजने की जगह टीम के साथ ही बनाये रखा था। पुलिस ने इस क्रिकेटर पर रोज बे नाम की जगह पर एक महिला से बलात्कार के आरोप लगाये हैं। आरोप है कि यह क्रिकेटर इस महिला के साथ कई दिनों से ऑनलाइन डेटिंग एप्लिकेशन पर चैट कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें सिडनी सिटी पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहीं यौन अपराध टीम और पूर्वी उपनगर पुलिस के जासूसों ने इन आरोपों की जांच के लिए एक स्ट्राइक फोर्स वेटरन का गठन किया था। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने एक अज्ञात श्रीलंकाई नागरिक की गिरफ्तारी की भी बात कही है।

29 वर्षीय महिला ने पिछले सप्ताह इस श्रीलंकाई क्रिकेटर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की थी, जिसके बाद गुनातिलका को सिडनी में ससेक्स स्ट्रीट के एक होटल में रविवार रात करीब 1 बजे गिरफ्तार किया गया और एक स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाया गया था। इस क्रिकेटर पर जबर यौन संबंध बनाने के चार आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने इस क्रिकेटर को जमानत देने से इंकर कर दिया है। उन्हें सोमवार को स्थानीय अदालत में पेश किया जा सकता है।

वहीं इस मामले पर श्रीलंकाई टीम प्रबंधन ने कहा, 'धनुष्का को कथित बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। श्रीलंका की टीम उसके बिना स्वदेश लौट गई है।' श्रीलंका की टीम रविवार को इंग्लैंड से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी।

चेन्नई सुपर किंग्स की ओर जडेजा के खेलने पर संशय, कप्तान धोनी ने लगाया वीटो

नई दिल्ली । क्रिकेटी रवींद्र जडेजा के आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। मिनी ऑक्शन के पहले सभी दस टीमों को रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपनी होगी। आईपीएल 2023 के लिए मिनी ऑक्शन दिसंबर में होना तय है। आईपीएल 2023 में चेन्नई की कप्तानी महेंद्र सिंह धोनी ही करेंगे। इसकी पुष्टि सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन कर चुके हैं। रवींद्र जडेजा इस समय चोटिल हैं। इस वजह से वह टी20 वर्ल्ड कप का हिस्सा भी नहीं है। दिसंबर में होने वाले बांग्लादेश दौरे के लिए टीम इंडिया में उन्हें जगह मिली है। चेन्नई के कप्तान एसएस धोनी चाहते हैं कि जडेजा सीएसके में बने रहे। एक रिपोर्ट के अनुसार, रवींद्र जडेजा को अगले सीजन के लिए ट्रेड नहीं किया जाएगा। वह टीम के साथ बने रहेंगे। महेंद्र सिंह धोनी भी जडेजा को टीम के साथ बनाए रखने के लिए तुले हुए हैं। धोनी ने सीएसके प्रबंधन को स्पष्ट कर दिया है कि जडेजा को मिनी ऑक्शन में टीम से रिलीज नहीं किया जा सकता है। वह सीएसके का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। धोनी की कप्तानी में चेन्नई ने चार बार आईपीएल का खिताब जीता है। इसके अलावा माही ने सीएसके को 2 बार चैम्पियंस लीग (2010 और 2014) का भी खिताब दिलवाया है।आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 से चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करने वाले धोनी ने पिछले सीजन के शुरू होने से 2 दिन पहले सीएसके कप्तानी छोड़ दी थी। उनकी जगह टीम इंडिया के धाकड़ ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी गई। लेकिन जडेजा के नेतृत्व में सीएसके का प्रदर्शन काफी खराब रहा था।

व्यापार न्यूज

देश के 69 फीसदी परिवार आर्थिक कमजोरी का कर रहे सामना : रिपोर्ट

नई दिल्ली । देश के करीब 69 प्रतिशत परिवार अपनी वित्तीय असुरक्षा और कमजोरी का सामना कर रहे हैं। एक सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट में यह दावा किया गया। व्यक्तिगत वित्त के बारे में कराए एक सर्वेक्षण के आधार पर यह रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में 4.2 सदस्यों वाले एक परिवार की औसत आय 23,000 रुपए प्रति माह है। वहीं 46 प्रतिशत से अधिक परिवारों की औसत आय 15,000 रुपए प्रति माह से भी कम है। इसका मतलब है कि ये परिवार आकांक्षी या निम्न आय समूह से ताल्लुक रखते हैं। यह सर्वेक्षण रिपोर्ट कहती है कि देश के सिर्फ तीन प्रतिशत परिवारों का ही जीवन-स्तर विलासिता से भरपूर है और उनमें में अधिकतर परिवार उच्च आय वर्ग से संबंधित हैं। इस सर्वेक्षण में पाया गया कि करीब 70 प्रतिशत परिवार बैंक जमा, बीमा, डाकघर बचत और सोने के रूप में अपनी वित्तीय बचत करते हैं। इनमें भी उनका सबसे ज्यादा जोर बैंकों एवं डाकघरों पर होता है और जीवन बीमा एवं सोना का स्थान उसके बाद आता है।

सोना कॉमस्टार करेगी 1,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । वाहन कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी सोना बीएलडब्ल्यू प्रीसिजन फोर्जिंग्स लिमिटेड (सोना कॉमस्टार) ने कहा कि वह अपनी क्षमता विस्तार करने के लिए वित्त वर्ष 2024-25 तक 1,000 करोड़ रुपए तक का निवेश करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस नए निवेश का बड़ा हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए कलपुर्जे बनाने के लिए लगाया जाएगा। वित्त वर्ष 2022-23 के बाद के दो वर्षों में हमारा पूंजीगत व्यय 900 करोड़ रुपए से 1,000 करोड़ रुपए के बीच रहने का अनुमान है। इसका करीब 75-80 प्रतिशत हिस्सा ईवी खंड के लिए होगा। विस्तार योजना के तहत कंपनी हरियाणा के मानेसर में अपना एक और संयंत्र लगाएगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा संयंत्र अपनी पूरी क्षमता पर पहुंच चुका है लिहाजा उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए नया संयंत्र लगाना होगा। इसके अलावा सोना कॉमस्टार ने पुणे स्थित पुराने संयंत्र की जगह बड़ा संयंत्र लगाया है। ईवी वाहनों के लिए कलपुर्जों का उत्पादन कंपनी के चेन्नई संयंत्र में ही किया जा रहा है लेकिन अब आगे एक अतिरिक्त संयंत्र की जरूरत पड़ सकती है। सोना कॉमस्टार ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 1,247 करोड़ रुपए का राजस्व कमाया है जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 15 प्रतिशत अधिक है।

सरकार ने कोटा के आधार पर 60 लाख टन चीनी निर्यात की मंजूरी दी

पिछले वित्तवर्ष कुल चीनी निर्यात का कोटा 1.10 करोड़ टन रहा था

नई दिल्ली । सरकार ने कोटा के आधार पर 60 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति को मंजूरी दे दी। खाद्य मंत्रालय की एक अधिसूचना के मुताबिक खाद्य मंत्रालय ने अगले साल 31 मई तक 60 लाख टन चीनी के निर्यात की मंजूरी दी है। बाजार की उम्मीदों के मुताबिक सरकार ने 2022-23 के लिए 60 लाख टन चीनी निर्यात का कोटा तय किया है। हालांकि यह कोटा चीनी उद्योग की उम्मीदों और पिछले साल किए गए निर्यात के मुकाबले काफी कम है। निर्यात कोटा कम रखने का मकसद घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों को बढ़ने से रोकना है।भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है और निर्यात के मामले में यह ब्राजील के बाद दूसरे नंबर आता है। इस साल ब्राजील में भी गन्ना उत्पादन कम रहा है, जिससे ग्लोबल मार्केट में भारतीय चीनी की मांग और बढ़ गई है। सरकार ने पहले ही संकेत दे दिया था कि घरेलू बाजार में मांग बढ़ने पर कीमतों पर लगाम लगाने के लिए इस साल निर्यात कोटा घटाया जाएगा। इसके बाद उद्योग

जगत को उम्मीद थी सरकार कम से कम 80 से 90 लाख टन चीनी निर्यात की छूट देगी लेकिन घरेलू बाजार की मांग को देखते हुए सरकार ने 60 लाख टन चीनी निर्यात का कोटा तय किया है।

सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक चीनी मिलों के पिछले तीन साल के उत्पादन को देखते हुए 60 लाख टन निर्यात का कोटा तय किया गया है। पिछले वित्तवर्ष कुल चीनी निर्यात का कोटा 1.10 करोड़ टन रहा था। यानी इस बार चीनी निर्यात के लिए सिर्फ आधा कोटा ही खोला गया है। गौरतलब है कि चीनी का वित्तवर्ष अक्तूबर से सितंबर तक चलता है। यह कोटा पहली खेप के तहत निर्धारित किया गया है। उद्योग जगत का कहना है कि पहले से ही 50 से 60 लाख टन चीनी निर्यात का कोटा मिलने की उम्मीद थी। यह कोटा पहली खेप के लिए है, जबर्का अगली खेप के लिए भी 20 से 30 लाख टन चीनी निर्यात का कोटा मिल सकता है। उद्योग जगत का कहना है कि देश में चीनी के रिकॉर्ड उत्पादन को देखते हुए सरकार अगली खेप भी जारी कर सकती है। चीनी उद्योग संगठन ईस्मा का कहना है कि इस साल देश में 3.65 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान है, जो 1 अक्टूबर से शुरू हुआ है। सरकार ने भी बातचीत के दौरान पहली खेप मई तक के लिए तय की है। यानी 60 लाख टन चीनी का निर्यात मई, 2023 तक किया जाना है। इसके बाद दूसरी खेप भी तय की जा सकती है। चीनी मिलों को उम्मीद है कि 31 मई, 2023 से पहले ही सरकार दूसरी खेप का निर्यात कोटा भी तय कर देगी।

एसबीआई का दूसरी तिमाही में मुनाफा 74 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । देश के प्रमुख बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकल आधार पर 13,265 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 74 प्रतिशत अधिक है। यह किसी तिमाही में बैंक का सर्वाधिक लाभ है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि फंसे कर्जों के लिए वित्तीय प्रावधान में कमी आने और ब्याज आय बढ़ने से उसके लाभ में बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही में बैंक का एकल आधार पर लाभ 7,627 करोड़ रुपए रहा था। आलोच्य तिमाही में बैंक की कुल आय भी बढ़कर 88,734 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले की समान तिमाही में 77,689.09 करोड़ रुपए थी। पिछली तिमाही में एसबीआई की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 13 प्रतिशत बढ़कर 35,183 करोड़ रुपए हो गई जबकि एक साल पहले यह 31,184 करोड़ रुपए थी। घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन भी 3.50 प्रतिशत से सुधरकर 3.55 प्रतिशत हो गया।जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। इसकी सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर सकल अग्रिम का 3.52 प्रतिशत रह गई जबकि एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 4.90 प्रतिशत थी। फंसे कर्जों का अनुपात भी घटकर कुल अग्रिम का 0.80 प्रतिशत रह गया।

यूपी में बदल गए पेट्रोल व डीजल के दाम

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को एनसीआर के शहरों में पेट्रोल-डीजल सस्ता किया तो लखनऊ में महंगा कर दिया। हालांकि आज भी दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में तेल कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। गौतम बुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 31 पैसे सस्ता होकर 96.69 रुपए लीटर और डीजल 28 पैसे गिरकर 89.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसके अलावा गाजियाबाद में भी पेट्रोल 35 पैसे गिरकर 96.23 रुपए लीटर और डीजल 33 पैसे टूटकर 89.42 रुपए लीटर के बिक रहा है। दूसरी ओर यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 14 पैसे महंगा हुआ और यह 96.58 रुपए लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 13 पैसे चढ़कर 89.77 रुपए लीटर पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमतों में बड़ा उछाल दिख रहा है। इस दौरान ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर फिर 100 डॉलर की तरफ जाता दिख रहा है । ब्रेंट क्रूड अभी 98.57 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई बढ़कर 92.61 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.69 रुपए और डीजल 89.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.23 रुपए और डीजल 89.42 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एप्पल के पास नहीं फोल्डेबल डिवाइस फोन, सैमसंग ने उठाया मजाक

न्यूर्याक । एप्पल के लंबे समय से एक फोल्डेबल डिवाइस पर काम करने की अफवाहें सामने आ रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसी अफवाहें हैं, जिसमें कहा गया है कि एप्पल का पहला फोल्डेबल फोन कैसा होगा, क्या यह सैमसंग गैलेक्सी फ्लिप की तरह होगा या फोल्ड की तरह इस बीच सैमसंग ने एप्पल का मजाक उड़ाते हुए कहा है कि उस उम्मीद है कि एप्पल 2024 में अपना पहला फोल्डेबल डिवाइस लांच करेगा और यह एक फोन नहीं होगा। मोबाइल डिवीजन के सैमसंग अधिकारियों ने स्मार्टफोन बाजार पर चर्चा करने के लिए पिछले महीने सप्लायर्स के साथ बातचीत की। इस दौरान एप्पल रियूमर फोल्डेबल डिवाइस पर चर्चा की। फोन को लेकर सैमसंग के प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एप्पल अगले दो साल में अपना फोल्डेबल डिवाइस लांच करेगा। अधिकारियों ने कहा कि एप्पल जिस डिवाइस पर काम कर रही है। वह फोन नहीं बल्कि टैबलेट है। उन्होंने कहा कि यह एक लैपटॉप भी हो सकता है, क्योंकि लैपटॉप भी एक फोल्डेबल डिवाइस है। सैमसंग के अधिकारियों ने बैठक में कहा कि फोल्डेबल डिवाइस का बाजार 2025 तक 80 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि 90 प्रतिशत फोल्डेबल डिवाइस यूजर्स भविष्य में किसी अन्य फोल्डेबल डिवाइस में अपग्रेड करने के इच्छुक हैं। यह फोल्डेबल फोन के लिए एक उज्ज्वल तस्वीर पेश करता है। इतना ही नहीं सैमसंग की ओर से एक विज्ञापन वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसमें एपल डिवाइसेज खरीदने वाले नए सैमसंग फोन फीचर्स का इंतजार करने की बात करते दिख रहे हैं। वीडियो में दिखाया गया है कि एप्पल रीटेल स्टोर के करीब एक युवक दीवार पर बैठा है और दूसरे लोग उस ऐसा ना करने और एप्पल के फोल्डेबल फोन का इंतजार करने की सलाह दे रहे हैं। वहीं, आप वीडियो में देख सकते हैं कि एक एप्पल यूजर सैमसंग की ओर से दिए जा रहे फीचर्स पर गौर कर रहा है और एप्पल कर्मचारी उस ऐसा करने से मना कर रहा है। फेंस पर बैठा यूजर कहता है कि सैमसंग की ओर फोल्डेबल फोन और बेहतरीन कैमरा फोन हैं। इसपर एप्पल कर्मचारी कहता है कि इंतजार करें, वह सब ऐपल भी आएंगे। इस पर फेंस पर बैठा यूजर उसे इंतजार करने की सलाह देता है।

सैमसंग ने सितंबर-अक्टूबर में 14400 करोड़ के मोबाइल बेचे

नई दिल्ली । दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग इंडिया ने सितंबर-अक्टूबर में भारतीय बाजार में 14400 करोड़ रुपये के मोबाइल फोनों की ब्रिकी की हैं। साल 2022 की पहली तीन तिमाहियों में कंपनी के स्मार्टफोन की बिक्री में 99 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सैमसंग इंडिया के वरिष्ठ निदेशक और उत्पाद विपणन प्रमुख आदित्य बब्बर ने बताया कि जनवरी से सितंबर 2022 की अवधि में 5जी स्मार्टफोन की बिक्री में सालाना आधार पर 178 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि सैमसंग इंडिया ने इस त्यौहारी सीजन में रिकॉर्ड बिक्री की है। 1 सितंबर से शुरु होने वाले 60 दिनों में सैमसंग ने 14400 करोड़ रुपये की बिक्री की है। बाबर ने कहा कि पिछले साल के त्यौहारी सीजन की तुलना में इस साल के त्यौहारी सीजन में डबल डिजिट ग्रोथ देखने को मिली है। इसके अलावा कंपनी ने बताया है कि वह अपने सभी 5जी फोन के लिए 15 नवंबर तक सॉफ्टवेयर अपडेट जारी कर देगी। बता दें कि कंपनी के ज़्यादातर फोन पहले से ही 5जी सर्विसेस को सपोर्ट करना शुरु कर चुके हैं। उन्होंने बताया है कि जुलाई-सितंबर 2022 की अवधि में 30,000 रुपये से ज्यादा कीमत वाले प्रीमियम सेगमेंट की बिक्री में 99 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई है। सैमसंग भारत का तेजी से ग्रोथ करता प्रीमियम सेगमेंट का ब्रैंड है। प्रीमियम सेगमेंट में कंपनी के

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

- अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।
- दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गई थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।
- होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।
- होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।
- बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न ही वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को इस प्रकार सिखाएं काम-काज

घर में छोटे बच्चे हो तो घर व्यवस्थित रहेगा, इसकी कल्पना करना भी बेकार है क्योंकि बच्चे घर के सामान को खेल-खेल में बिखेर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वीकेंड पर बच्चों से ही घर को व्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे वे घर का रख-रखाव सीख जाएंगे और घर को व्यवस्थित रखने में आपकी मदद भी कर देंगे।

बच्चों को टास्क दें: कोई भी बच्चा एक दिन में पूरे घर की सफाई करना नहीं सीख सकता। वीकेंड पर बच्चों को छोटी-छोटी चीजें व्यवस्थित करना सिखाएं। इसके लिए उन्हें घर के किसी एक कोने को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दें परन्तु उन्हें यह जरूर बताएं कि पहले सारे कपड़े वॉर्डरोब से बाहर निकालें और फिर उन्हें दोबारा तह कर के वॉर्डरोब में लगाएं। उसके बाद कपड़े वॉर्डरोब में इस तरह रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के लिए निकालना आसान रहेगा।

उनकी काम में मदद करें: यदि आपको लगे कि बच्चा अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है तो बीच-बीच में उसकी मदद करें तथा काम को सही ढंग से करने का तरीका बताएं। उसे बचाएं कि शर्ट कैसे तह की जाती, मोजों को हमेशा जोड़ा बनाकर रखते हैं ताकि वे खोएं नहीं। यहीं नहीं कपड़े शैल्फ में कैसे रखे जाते हैं यह भी उन्हें करके बताएं। यदि आप उन्हें बुक शैल्फ अरेंज करने का काम दे रही है तो उन्हें बताएं कि बुक शैल्फ में सबसे पहले बड़ी किताबें सैट की जाती हैं, फिर उससे छोटी और सबसे आगे छोटे आकार की किताबें रखी जाती हैं।

म्यूजिक लगाएं: बच्चा काम को एन्जॉय करते हुए सीख पाए, इसलिए उसकी पसंद का म्यूजिक लगा दें। बीच-बीच में छोटा-सा ब्रेक लेकर उसके साथ डांस करें। म्यूजिक के साथ काम करने से उसे मजा भी आएगा और आसानी से काम भी सीख जाएगा।

खेल और इनाम: नया काम सीखते समय बच्चा बोर न हो, इसलिए उसे खेल-खेल में काम सिखाने की कोशिश करें। आप पांच मिनट का अलार्म लगा दें और कहें कि यदि वह पांच मिनट में पांच जोड़े जूते अल्मारी में रख देगा तो उसे चॉकलेट मिलेगी। यदि बच्चा समय पर अपना टास्क पूरा कर ले तो उसके प्रयास की तारीफ करें और अपना प्रॉमिस भी निभाएं।

सबके सामने तारीफ करें: जब बच्चा अपना काम पूरा कर ले तो उसकी मनपसंद चीज उसे ईनाम में दें या उसकी पसंदीदा डिश बना कर उसे खिलाएं। यही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने भी उसकी तारीफ करें। इससे उसे न केवल अपना टास्क पूरा करने की खुशी मिलेगी।

बच्चों को जिम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं। पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है। एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत: बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाजी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल

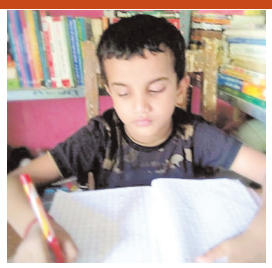

पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत: वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चे को जो लिखवाया जा रहा है, उसे जोर-जोर से बोलना चाहिए ताकि वह शब्द बच्चा अच्छी तरह से सुने। बच्चे जैसा सुनेंगे वैसा लिखेंगे। अगर बच्चा अशुद्ध और अस्पष्ट लिख रहा है तो उसे डांटने फटकारने के बजाय प्यार से बताना चाहिए। यदि उसे डांटा-फटकारा गया तो उसमें हीन भावना आ जाएगी और वह यही समझेगा कि मैं सुन्दर और शुद्ध लिख ही नहीं सकता। बच्चे को ऐसा लगना चाहिए कि मैं जो कुछ लिख रहा हूं, उस पर माता-पिता खुश हो रहे हैं। यह बहुत आवश्यक है, इससे बच्चे का उत्साह बढ़ता है। बच्चे किसी एक काम से बहुत जल्दी ऊब जाते हैं, इसलिए लिखने का काम भी उनसे जबरदस्ती नहीं करवाना चाहिए। बच्चे से ऐसी चीजें लिखवाएं जिससे उसमें रुचि पैदा हो।

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

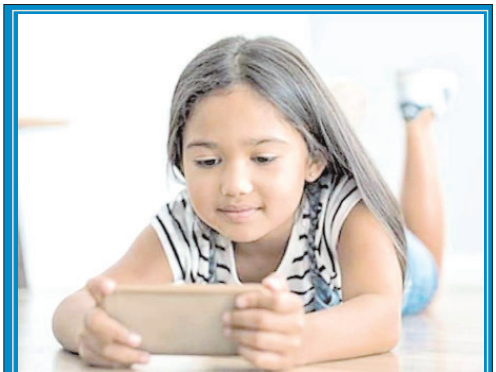

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षों में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है। इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें। बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दें।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का खास खयाल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

- कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।
- कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.
- सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।
- यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

- टिफिन खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।
- बच्चों को टिफिन में फ़ाइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फाई किए हुए न हों।
- लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफ्ड परांठा।
- बच्चों को टिफिन में फूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

- ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे खुश होकर खा भी लेते हैं।
- सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।
- ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ्रूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

- व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुक़सान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।
- लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।
- खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें।हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

जनता बनी कामधेनु गाय

सनत कुमार जैन

पिछले कुछ वर्षों से आम आदमी के ऊपर, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके से करारोपण किया जा रहा है। सरकारों ने आम जनता को कामधेनु की गाय मान लिया है। जो सरकारों की हर इच्छा को पूरी करने में सक्षम है। इस करारोपण के दायरे में अब गरीब से गरीब व्यक्ति भी आ रहा है। भारत की अर्थतंत्र में करीब 32 फ़ीसदी टैक्स अभी तक मध्यमवर्ग देता आया है। हाल ही के वर्षों में मध्यम वर्ग पर केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा लगातार टेक्स, शुल्क एवं उपकर के नाम पर टेक्स का दायरा बढ़ाया जा रहा है। जीएसटी के माध्यम से अब गरीबों को भी भारी टैक्स के दायरे में ले लिया गया है। जीएसटी की बढ़ी हुई दरें 8त्न 12त्न 18त्न28त्न अब गरीब आदमी को भी परेशान कर रही हैं। मजदूर हो, बेरोजगार हो, पेंशन से गुजारा करता हो। सभी को खाने -पीने एवं नियमित जरुरतों पर भारी टेक्स देना पड़ रहा है। वर्तमान में गरीब सबसे ज्यादा टेक्स दे रहा है। चाहे रेलवे की टिकट हो चाहे पेट्रोल-डीजल का उपकर हो, खाने पीने का कोई भी सामान हो, किसी भी प्रकार की सेवाएं हो, सभी पर जीएसटी लागू है। इसकी मार सबसे ज्यादा गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रही है। अब टैक्स की मार गांव गांव तक पहुंच रही है। गांव में प्रॉपर्टी टैक्स, जल कर, प्रकाश कर इत्यादि लगना शुरू हो गए हैं पिछले 8 वर्षों में जितने टैक्स बढ़े हैं। वह पिछले 50 सालों में नहीं लगे। सरकार ने सब्सिटी लागू कर दी। टेक्स बड़ा दिये। जिससे मंहगाई बड़ी। आय कम हो गई है। खर्च बड़ गये हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने यह मान लिया है, कि जनता के पास बहुत पैसा है। कोई भी टैक्स लगाते हैं, जनता उसको देने लगती है। जब तक जनता विरोध नहीं कर रही है, तब तक जनता की क्षमता टैक्स चुकाने की है। इसी को आधार बनाकर पिछले 8 वर्षों से लगातार टैक्स बढ़ाया जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारें अपना बोझ आम जनता के ऊपर धीरे-धीरे करके डाल रही हैं। सरकारों के अपने खर्चे बहुत बढ़ रहे हैं. इंफ्रास्ट्रक्चर में सरकार जो खर्च कर रही है। उसका पैसा आम जनता से पैसा वसूल किया जा रहा है। सरकारी पैसा खर्च करके उसे निजी क्षेत्र को सौंपा जा रहा है। निजी क्षेत्र भी भारी कमाई कर रहे हैं। जनता के ऊपर बड़े पैमाने पर कर्ज बड़ रहा है। उसकी नियमित जिंदगी बहुत तनावपूर्ण हो गई है। जगह-जगह आत्महत्या, लड़ाई - झगड़े, लूट, चोरी, नशाखोरी इत्यादि की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसके बाद भी सरकारों का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार अब बिजली के बिलों पर 5त्न का बिजली उपकर लगाने जा रही है। सरकार अभी तक नगरीय निकाय को जो आर्थिक मदद देती थी। वह सरकार नहीं दे पा रही है। बिजली कंपनियों को नगरीय संस्थाएं भुगतान कर पाएं, इसके लिए अब 5 फ़ीसदी टैक्स उपकर के नाम पर बिजली के उपभोक्ताओं पर लगाया जा रहा है। सरकार अब आम जनता से वसूल किए गए इस उपकर से नगरीय संस्थाओं के बिजली के बिलों का भुगतान, बिजली कंपनियों को करेगी। केन्द्र हो राज्य सरकारें, हर माह कर्ज लेकर सरकार चला रही है। इसका खामियाजा भी आम जनता भुगत रही है। जब तक जनता सड़कों पर आकर अपना विरोध दर्ज नहीं कराएगी। लगातार बढ़ रहे टैक्स और शुल्क का विरोध नहीं करेगी। तब तक यह क्रम रुकने वाला नहीं है। जनता को समझना होगा, आत्महत्या, चोरी-चमारी लूट कोई समस्या के विकल्प नहीं हैं।

भारतीय व्यवस्था में इंसानी जान की क़ीमत बताते ये हादसे

निर्मल रानी

गुजरात के मोरबी में माच्छू नदी पर बने एक प्राचीन व ऐतिहासिक झूला पुल के गत 30 अक्टूबर की शाम अचानक टूट जाने से पेश आये दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में एक बार फिर लगभग 145 मासूम देशवासियों की जान ले ली। झूला पुल टूटने के परिणाम स्वरूप सैकड़ों लोग माच्छू नदी में गिर गए और कई लोगों की नदी में डूबने या चोट लगने से मौत हो गई। हादसे के शिकार कई लोग अब भी लापता हैं इसलिये मृतकों की संख्या और भी बढ़ने की आशंका बनी हुई है। लगभग डेढ़ सौ वर्ष पूर्व मोरबी के राजा सर वाघजी ठाकोर द्वारा उस समय की आधुनिक यूरोपीय तकनीक का उपयोग करते हुये निर्मित कराये गये इस झूला पुल का उद्घाटन 20 फ़रवरी 1879 को मुंबई के तत्कालीन गवर्नर रिचर्ड टेम्पल के हाथों किया गया था। मोरबी रियासत के शाही दिनों की याद दिलाने वाला यह पुल एक प्राचीन कलात्मक और तकनीकी चमत्कार के रूप में भी देखा जाता था।

बहरहाल,यह ऐतिहासिक पुल भी देश के विभिन्न राज्यों में समय समय पर होने वाले अनेक हादसों की ही तरह टूट गया। और हर बार की तरह इस बार भी देश की शासन व्यवस्था द्वारा वही पुराने घिसे पिटे राग अलापे गये। किसी को दुःख हुआ,कोई रोने का नाटक करने लगा,किसी ने मुआवज़ा घोषित किया,किसी ने मरने वालों पर दुःख कम तो बचाव कार्यों में दिखाई गयी तत्परता की तारीफ़ अधिक की। इस हादसे के लिये एक दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराने व विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा एक दूसरे पर राजनीति करने का दौर भी पूर्ववत चला। इस हादसे के लिये कथित तौर पर ज़िम्मेदार ठहरायी गयी व इसका रखरखाव करने वाली किसी नाममात्र कंपनी के कुछ लोगों को गिरफ़्तार कर डबल इंजन की सरकारों ने भी अपनी तत्परता का परिचय देने की कोशिश की। काफ़ी समय से क्षतिग्रस्त व बंद पड़े इस पुल को गुजरात राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र जहां चंद दिनों पहले ही इसे पुनः जनता के लिये जल्दबाज़ी में शुरू कराने का सरकार पर आरोप लगाया जा रहा है और इसी जल्दबाज़ी को हादसे का मुख्य कारण भी बताया जा रहा है वहीं राज्य सरकार ने इस हादसे के बाद राज्य में एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा कर मृतक,पीड़ित व प्रभावित लोगों के प्रति अपनी हमदर्दी का इज़हार करने की कोशिश की।

जितने लोगों ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म्स पर मोरबी में माच्छू नदी पर बने इस झूला पुल के ध्वस्त होने संबंधित वीडिओज़ देखीं उससे शायद कुछ ही कम लोगों ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोलकाता में 2016 में बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान दिया गया उनका वह चुनावी भाषण सुना जिसमें उन्होंने इसी तरह 31 मार्च 2016 को कोलकाता में विवेकानंद रोड फ़्लाई ओवर गिर जाने के बाद ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था- यह भगवान की ओर से एक संकेत है कि किस तरह की सरकार चलाई गई। चूँकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उस समय इस दुर्घटना को, जिसमें 27 लोग अपनी जानें गँवा बैठे थे और विपक्षी भाजपा इसे चुनावी मुद्दा बनाकर ममता सरकार पर हमलावर थी,इसे एक्ट ऑफ़ गॉड बताने जैसा ग़ैर ज़िम्मेदाराना बयान दिया था इसीलिये प्रधानमंत्री ने इस तर्क के जवाब में इसे एक्ट ऑफ़ गॉड नहीं बल्कि एक्ट ऑफ़ फ़्रॉड बताया था। प्रधानमंत्री ने उस फ़्लाई ओवर हादसे पर ज़बरदस्त राजनीति करते हुये अपने विशेष अंदाज़ में और भी बहुत कुछ कहा था। सवाल यह है कि चाहे वह मोरबी की ताज़ातरीन झूला भंजन की घटना हो या कोलकाता की 31 मार्च 2016 की विवेकानंद रोड फ्लाईओवर दुर्घटना। यदि और पीछे चलें तो चाहे वह 13 जून 1997 को दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित उपहार सिनेमा हाल में लगी वह आग जिसमें 59 लोग झुलसकर या दम घुटने से मरे या देश में प्रायः ज़हरीली शराब पीकर मरने वाले लोग। ओवर लोड स्टीमर अथवा नाव में बैठने के बाद देश की अनेक नदियों में दुर्घटनावश डूबकर मरने वाले लोग हों या अगस्त 2017 में गोरखपुर में बी आर डी मेडिकल कॉलेज में सरकारी लापरवाही के चलते मरने वाले 30 से अधिक बच्चे,या इसी तरह की यू पी व बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ाने वाली और भी अनेक घटनायें। सड़क पर आवारा घूमते पशुओं के हमले से या उनसे टकराकर मरने या घायल होने वाले लोग हों या ज़हरीला व प्रदूषित जल पीने से मरने व बीमार पड़ने वाले या फिर कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी से मरने वाले वह हज़ारों लोग जिनकी मौत से सरकार अपना पल्ला भी झाड़ चुकी है। शहरी बाढ़-बारिश व नहरों व तटबंधों के टूटने से होने वाली जान-माल की क्षति हो ग़रीबी,भुखमरी व क़र्ज़ के चलते मरने या आत्म हत्या करने वाले या कुपोषण का शिकार हमारे देश के नौनिहाल। इन जैसी और भी तमाम वास्तविकताओं से जूझते हमारे देश में एक बात तो सामान्य है कि इनमें आम तौर पर बेगुनाह व साधारण इंसान को ही जान व माल का नुक़सान उठाना पड़ता है। और दूसरी बात यह भी सामान्य है कि ऐसी घटनाओं के बाद पक्ष विपक्ष एक दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराते हैं। लीपपोती की जाती है,शासन प्रशासन का प्रत्येक संबंधित विभाग या अधिकारी अथवा नेता सभी स्वयं को बचाने व दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराने की कोशिश में लग जाते हैं।

इसका नतीजा यह होता है कि लीपापोती के इस खेल में कुछ दिन बीतते ही लोग ऐसे हादसों को भूलने लग जाते हैं। घटना का कारण क्या था,उसके ज़िम्मदारों को क्या दंड मिला यह बातें काल के गर्भ में समा जाती हैं। देश आगे बढ़ निकलता है और चतुर चालाक व शातिर राजनीति उससे जुड़ी भ्रष्ट,लापरवाह,ग़ैर जवाबदेह शासन व्यवस्था पुनः नये हादसों का ताना बाना बुनने में लग जाती है। झूठ,मक्कारी,आरोप प्रत्यारोप,स्वार्थ पूर्ण राजनीति से सराबोर इस व्यवस्था में चाहे कोई भी राज्य हो या किसी भी राजनैतिक दल की सरकार, देश में घटने वाली ऐसी दुर्घटनायें देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को यह बताने के लिये काफ़ी है कि विश्व गुरु बनने के आउटर सिग्नल पर खड़ा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दौड़ में शामिल हमारे देश और भारतीय व्यवस्था में इंसानी जान की क़ीमत क्या है।

प्रार्थना की शक्ति का महत्व...

मनुष्य का जीवन उसकी शारीरिक एवं प्राणिक सत्ता में नहीं, अपितु उसकी मानसिक एवं आध्यात्मिक सत्ता में भी आकांक्षाओं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए और कामनाओं का है। जब उसे ज्ञान होता है कि एक महत्तर शक्ति संसार को संचालित कर रही है, तब वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, अपनी विषम यात्रा में सहायता के लिए, अपने संघर्ष में रक्षा के लिए आय प्राप्त करने के लिए प्रार्थना द्वारा उसकी शरण लेता है। प्रार्थना द्वारा भगवान की ओर साधारण धार्मिक पहुंच, अपने को ईश्वर की ओर मोड़ देने के लिए यह हमारी प्रार्थनारूपी विधि हमारी धार्मिक सत्ता का मौलिक प्रयत्न है, और एक सार्वभौम सत्य पर स्थित है- भले ही इसमें कितनी भी अपूर्णताएं हों और सचमुच अपूर्णताएं हैं भी। प्रार्थना के प्रभाव को प्राय? संदेह की दृष्टि से देखा जाता है और स्वयं प्रार्थना निरर्थक तथा निष्फल समझी जाती है। वैश्व संकल्प सदैव अपने लक्ष्य को ही कार्यान्वित करता है। वह सर्वज्ञ होने के कारण अपने वृहत्तर ज्ञान से कर्तव्य पहले ही जान लेता है, परंतु यह व्यवस्था यांत्रिक नियम से नहीं, बल्कि कुछ शक्तियों एवं बलों के द्वारा कार्यान्वित होती है। यह मानव संकल्प, अभीप्सा और श्रद्धा का एक विशेष रूप मात्र है। प्रारंभ में प्रार्थना निम्न स्तर भी हमारे सबंध को तैयार करने में सहायता पहुंचाती है। मुख्य वस्तु इस प्रकार का साक्षात संबंध, मनुष्य का ईश्वर से संपर्क, सचेतक आदान-प्रदान न कि पार्थिव वस्तु की प्राप्ति। अपनी मानसिक रचना के निर्माण के बाद यदि व्यक्ति अपने को %ईश कृपा% पर समर्पित कर देता है, और इसमें भरोसा रखता है, तो उसको अवश्य ही सफलता मिलेगी। यदि कोई ईश्वर की कृपा का मात्र आह्वान करता है, तो अपने को उसके हाथों में सौंप देता है, तो वह विशेष अपेक्षा नहीं करता। प्रार्थना को सूत्रबद्ध करके किसी वस्तु के लिए निवेदन करना होगा। व्यक्ति को यह सवाल नहीं करना चाहिए। यदि सचाई के साथ सच्ची आंतरिक भावना के साथ याचना की जाए तो संभव है- वह स्वीकृत हो जाए।

(7 नवंबर जयंती पर विशेष)

पं. भगवतीधर वाजपेयी- बहुमुखी व्यक्तित्व और अनुकरणीय कृतित्व

मेरे छात्र जीवन से ही जिन व्यक्तित्वों ने मुझे सर्वाधिक प्रभावित किया उनमें से एक थे स्वर्गीय पं. भगवतीधर वाजपेयी। मूलतः वे एक पत्रकार थे और उनके संपादकत्व में प्रकाशित होने वाला दैनिक युगधर्म राष्ट्रवादी विचारधारा का पोषक होने के नाते साठ के दशक से लगातार उस दौर के विपक्ष की आवाज बना रहा7 वाजपेयी जी ने जनसंघ के जरिये राजनीति भी की किन्तु वह कुछ पाने के लिए नहीं अपितु राजनीतिक विकल्प के रूप में राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत आधार देने का प्रयास थी। सुनिश्चित पराजय के बावजूद सीमित संसाधनों और बेहद विपरीत परिस्थितियों में भी केवल विचारधारा के प्रसार हेतु चुनाव में उतरना उस दौर में साहस ही नहीं अपितु दुस्साहस माना जाता था उन्होंने सामाजिक जीवन की शुरुआत बतौर पत्रकार लखनऊ में जिस संस्थान से की उसका नाम राष्ट्रधर्म था जिसके साथ एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय , भारतरत्न क्रमशः स्व. अटलबिहारी वाजपेयी और स्व. नानाजी देशमुख जैसी महान हस्तियाँ जुडी हुई थीं। बाद में उन्होंने और अटल जी ने दिल्ली आकर वीर अर्जुन में कार्य किया। कुछ समय बाद अटल जी ने जनसंघ के संस्थापक डा.श्यामाप्रसाद मुख़र्जी के निजी सचिव के तौर पर पूर्णकालिक राजनीतिक कार्यकर्ता की भूमिका स्वीकार की और पं. वाजपेयी नागपुर से प्रकाशित होने वाले युगधर्म के संपादक बनाकर पत्रकारिता से स्थायी तौर पर जुड़ गए। राष्ट्धर्म से युगधर्म तक की उनकी यात्रा उनके वैचारिक पक्ष को और मजबूत करने वाली साबित हुई। नए म.प्र की रचना होने पर जबलपुर को राजधानी बनाये जाने की अनुशंसा होने से युगधर्म का जबलपुर संस्करण प्रारम्भ होने पर वे उसके संपादक बनकर यहाँ आये और फिर जीवन पर्यंत संस्कारधानी के होकर रह गये। कालान्तर में युगधर्म का रायपुर संस्करण भी शुरू हुआ और वे तीनों संस्करणों के प्रधान सम्पादक नियुक्त किये गये।

निश्चित रूप से पत्रकारिता उनकी पहिचान थी लेकिन समाज सेवा के प्रति उनकी रूचि के कारण उन्होंने शिक्षा, सहकारिता, उद्योग व्यापार जैसे क्षेत्रों में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। पूर्व में जबलपुर और अब रानी दुर्गावती विवि की कुल संसद, विद्वत परिषद, कार्यपरिषद आदि के वे दशकों तक सदस्य रहे। नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष और म.प्र हथकरघा संघ के उपाध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएँ दीं। भारत सरकार द्वारा उन्हें क्षेत्रीय श्रमिक शिक्षा केंद्र की क्षेत्रीय समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। निःस्वार्थ स्वभाव और समर्पण की भावना ने उन्हें राजनीति की सीमाओं से ऊपर उठकर स्वीकार्यता और सम्मान दिया क्योंकि अपनी प्रतिबद्धताओं को बिना किसी पर लादे वे सभी के साथ सद्भावना रखते थे। राजनीति से उनका निकट का सम्बन्ध होने के बावजूद वह उनके लिए सेवा और विचारधारा के प्रसार का माध्यम रही। उनके सान्निध्य में आये अनेकानेक युवाओं ने कालान्तर में पत्रकारिता , शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में उच्च शिखरों को छुआ किन्तु उन्हें इसका अभिमान नहीं था और उन्होंने बदले में कोई अपेक्षा किसी से नहीं की। उनके निजी सम्बन्ध सत्ता के उच्च पदों पर विराजमान रहे महानुभावों से रहे किन्तु लाभ लेने की प्रवृत्ति से वे सदैव दूर रहे और इसीलिये सत्ता अनुकूल रही हो या प्रतिकूल पं. वाजपेयी के सम्मान में कोई कमी नहीं आई।

उनके सबसे बड़ी विशेषता ये रही कि असाधारण व्यक्तित्व होने के बाद भी वे सदैव साधारण बने रहे। हर किसी के प्रति स्नेह भाव रखना और कार्य के प्रति ईमानदारी के कारण वे सबके प्रेरणा स्रोत बने रहे। संस्कारधानी जबलपुर ही नहीं अपितु समूचे प्रदेश में उनकी शख्सियत से लोग परिचित थे। इसका कारण उनकी सक्रियता थी। पत्रकारिता के अलावा भी वे विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक, शैक्षणिक संस्थाओं से संबंद्ध रहे। भारतीय जीवन मूल्यों के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा थी। पूरी पृथ्वी की प्रदक्षिणा उन्होंने की किन्तु भारत और और यहाँ की जीवन शैली के प्रति उनकी आस्था असंदिग्ध थी। रामचरित मानस और श्रीमद भगवत गीता का उन्होंने गहराई तक अध्ययन किया। राम जन्मभूमि आन्दोलन के दौरान रास्वसंघ पर प्रतिबन्ध के विरोध में वे जेल गए। कच्छ सत्याग्रह में भी उन्हें कारावास की सजा हुई और वे साबरमती जेल में रहे। वाजपेयी जी का बहुमुखी व्यक्तित्व और समावेशी स्वभाव हर किसी को अपना बना लेता था। इसी वजह से हर उम्र और वर्ग के लोग उनके पास निःसंकोच आया करते थे।

मोरबी के गुनाहगार, हिटलर के तरफदार

सूडोकु नवताल- 6237

★★★✬✩ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6236 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

नवीन जैन

लिखने, बोलने और संवाद की आज़ादी किसी भी लोकतंत्र के सफल होने की एक अहम शर्त है। आपातकाल के दौर में कहीं पढ़ा था कि तत्कालीन प्रधान मंत्री स्व. इंदिरा गांधी के कनिष्ठ पुत्र स्व. संजय गांधी ने उन्हीं दिनों कहा था कि देश में कम कम दस वर्षों के लिए सैन्य कानून लगा देना चाहिए। संजय गांधी की उन दिनों संजय ब्रिगेड ने ही कहते हैं अपने वाहियात कारनामों से अपने खानदान का नाम खूब रोशन किया। उन लोगों का कोई क्या बिगाड़ सकता था, क्योंकि पीएम के पुत्र के साथी जो ठहरे, लेकिन आप जरा पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से सोचकर बताएं कि क्या किसी बड़े कारोबारी को लाखों यहूदियों के कातिल रुडोल्फ हिटलर की शान में कसीदे गढ़ने वाली और लगभग उसी की क्रूर और तानाशाही का भारत में भी अनुसरण करने की वकालत करने वाली किताब लिखने और उसकी बिक्री की इजाजत दी जा सकती है? और, वो भी उस शख्स को जो गुजरात के वीभत्स मोरबी हादसे की जिम्मेदार कंपनी का मैंनेजिंग डायरेक्टर हो। इन आधुनिक महान चिंतक का नाम एक बड़े हिंदी अख़बार में छपी खबर के अनुसार जयसुख पटेल बताया जाता है। वे हिटलर के घोर समर्थक ही नहीं, हिटलर शाही को भारत में भी लागू करने के पैरोकार हैं। जयसुख पटेल ने 2019 में ही उक्त किताब लिख दी थी। उनकी इस सड़को पर जलाने देनी वाली पुस्तक का नाम है- समस्या और समाधान। वे लिखते हैं कि भारत में 15-20 सालों तक चुनाव न करवाते हुए किसी ऐसे व्यक्ति के सत्ता सौप दी जाए, जो रुडोल्फ हिटलर की तरह डंडा चलाए। जानने वाले जानते हैं कि हिटलर नाम के नर पिशाच ने डंडे तो शायद कम ही चलवाए थे। हां, उसके इशारों पर लाखों यहूदियों को गोलियों से भूनकर मरे हुए सुअरो का बाड़ा बना दिया गया था, जिसे आज भी इंग्लिश में कहा जाता है।

पटेल साहब ने नुस्खा दिया है कि हमारे देश में भी एक ही व्यक्ति को सत्ता सूत्र सौंप दिए जाने चाहिए ,जो डंडे के बूते लोगों को देश भक्ति के साथ ईमानदारी सिखाए। जय सुख की लिखने की हिमाकत देखें कि वे यहां तक कह गए हैं कि चीन में लोकतंत्र न होने से व्यर्थ खर्च नहीं होता। लोग अपने अनुशासन में खुद रहते हैं। बेहद दुखद यह है कि जय सुख पटेल भूलने के का मानसिक अपराध कर रहे हैं कि एक लम्बे अरसे पहले चीन की राजधानी बीजिंग में लोकतंत्र की मांग कर रहे हजारों छात्रों को टैंकों के नीचे कुचल दिया गया था। हो सकता है उक्त घटना के वक्त जय सुख पटेल चड्डी पहनकर स्कूल जाया करते हों। बावजूद इसके जयसुख पटेल गूगल पर ही देख लेते कि बीजिंग के मुख्य चौराहे - थ्यान आन मेन चौक पर हुए उक्त नर संहार के दौरान क्या क्या हुआ था। यह नहीं तो जयसुख पटेल इतना ही जान लेते कि चीन में एक विशेष मुस्लिम समुदाय के साथ कैसा कातिलाना व्यवहार किया जाता है। इस घटना क्रम के सेटेलाइट फोटोज लेने वाली एक भारतीय मूल की अमेरिकी महिला फोटो जर्नलिस्ट को 2021 का नोबल पुरुस्कार भी मिला है। उक्त नव धन कुबेर की हिम्मत देखिए कि उन्होंने यहां तक लिख मारा कि गुलामी तो हमारे (भारतीयों) के डीएनए यानी खून में है। मुख्य बात उन्होंने यह लिखी है कि तानाशाही ही भ्रष्टाचार से मुक्ति दिला सकती है। यदि जयसुख पटेल के पास अपने उक्त कथन पर कायम रहने का थोड़ा सा भी कलेजा हो, तो वे ही बताएं कि मोरबी पुल दुर्घटना में मीडिया के एक बड़े और जिम्मेदार पॉकेट के अनुसार मोरबी ऊपर से नीचे तक कहां कहां खूब माल बंटा ? जयसुख पटेल की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे बताएं कि मोरबी कांड की मुख्य आरोपी चूंकि उनकी ओरवा कंपनी ही है वे ही उसके एमडी हैं, तो उनके साथ किस तरह की तानाशाही की जाए? मोरबी पुल काण्ड में हुए घपले की एक तरह से पूर्व सूचना उन्होंने अपनी उक्त किताब में दे दी थी कि 95 फीसद सरकारी कर्मचारी, अफसर और नेता भ्रष्टाचार में लिप्त है। यदि जयसुख पटेल अपनी जगह सही हैं तो केंद्र से लेकर लगभग पूरे देश के अधिकांश नेता अपने दामन को उजला रखने में नाकाम रहे हैं।

कैसे करें प्रदूषण को काबू?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उ.प्र. के सीमांत क्षेत्रों में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि इन प्रांतों ने तरह-तरह के प्रतिबंधों और सावधानियों की घोषणा कर दी है। जैसे बच्चों की पाठशालाएं बंद कर दी हैं, पुरानी कारें सड़कों पर नहीं चलेंगी, बाहरी ट्रक दिल्ली में नहीं घुस पाएंगे, सरकारी कर्मचारी ज्यादातर काम घर से ही करेंगे। लोगों से कहा गया है कि वे मुखपट्टी का इस्तेमाल बढ़ाएं, घर के खिड़की-दरवाजे प्रायः बंद ही रखें और बहुत जरुरी होने पर ही बाहर निकलें। ये सब बातें तो ठीक हैं और मौत का डर ऐसा है कि इन सब निर्देशों का पालन लोग-बाग सहर्ष करेंगे ही लेकिन क्या प्रदूषण की समस्या इससे हल हो जाएगी? ऐसा नहीं है कि खेती सिर्फ भारत में ही होती है और खटारा ट्रक और मोटरें भारत में ही चलती हैं। भारत से ज्यादा ये अमेरिका, यूरोप और चीन में चलती हैं। वहां हमसे ज्यादा प्रदूषण हो सकता है लेकिन वहाँ क्यों नहीं होता? क्योंकि वहां की जनता और सरकार दोनों सजग हैं और सावधान हैं। चीन ने पिछले कुछ साल में 40 प्रतिशत प्रदूषण कम किया है और हमारी दिल्ली प्रदूषण के रेकार्ड तोड़ रही है। इसकी गिनती दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में होती है। दिल्ली में दो सरकारें हैं। वे निढाल साबित हो रही हैं। अब कुछ लोग सर्वोच्च न्यायालय की शरण में जा रहे हैं। प्रदूषण रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया जाए, क्या यह बात किसी भी सरकार और जनता के लिए शोभनीय है? सरकारों ने इस दिशा में कुछ कोशिश जरुर की है। उन्होंने हजारों करोड़ रु. की सहायता करके किसानों को मशीने दिलवाई हैं ताकि वे पराली का चूरा करके उसे खेतों में दबा सकें लेकिन हमारे किसान भाई अपने घिसे-पिटे तरीकों से चिपटे हुए हैं। उनकी मशीनें पड़ी-पड़ी जंग खाती रहती हैं। पंजाब और हरयाणा में पिछले 15 दिनों में पराली जलाने के कई हजार मामले सामने आए हैं लेकिन उनको दंडित करनेवाला कोई आंकड़ा कहीं प्रकट नहीं हो रहा है। सभी पार्टियां एक-दूसरे की टांग खींचने में मुस्तैदी दिखा रही हैं लेकिन वोट के लालच में फंसकर वे लाचार हैं। यदि पराली जलानेवाले दस-बीस दोषियों को भी दंडित किया गया होता तो हजारों किसान उनसे सबक सीखते। हमारे किसान लोग बहुत भले हैं। उनमें अद्भुत परंपराप्रेम होता है। सरकारों, समाजसेवियों और धर्मध्वजियों को चाहिए कि वे हमारे किसानों को प्रदूषण-मुक्ति के लिए प्रेरित करें। उनकी प्रेरणा का महत्व सरकारी कानूनों से कहीं ज्यादा उपयोगी सिद्ध होगा। यदि हम भारतीय लोग इस दिशा में कुछ ठोस काम करके दिखा सकें तो मुझे पूर्ण विश्वास है कि लाहौर और काठमांडो जैसे पड़ौसी देशों के शहर भी प्रदूषण-मुक्त हो सकेंगे।

छत्रसाल महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना सप्ताह समारोह मनाया गया

विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मध्यप्रदेश उत्सव संपन्न

हरिचरण प्रजापति ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

पन्ना मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह सप्ताह का समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ एच. एस. शर्मा ने की। इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ विनय श्रीवास्तव थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ उषा मिश्रा एवं डॉ एस.एस. राठौर उपस्थित थे। समापन कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ एच. एस. शर्मा ने कहा कि हम अपने विजन को विकसित करें और धन्यता की ओर बढ़ें। उन्होंने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को अनुशासित रहने और अपने लक्ष्य को निर्धारित कर उस पर फोकस करने की बात कही। डॉ शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी हनुमान की तरह हैं और उनके प्रोफेसर जामवंत की तरह हैं। अनुभवी मार्गदर्शक और गुरु की भूमिका में प्राध्यापकों को विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनना चाहिए और विद्यार्थियों को भी पूर्ण निष्ठा लगन और अनुशासन से अपने गुरु के

मार्गदर्शन में कार्य करना चाहिए। मध्य प्रदेश स्थापना सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश उत्सव में आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में कुमारी प्रकृति रॉय प्रथम, कुमारी जागृति सक्सेना द्वितीय, एवं श्री गया प्रसाद पटेल तृतीय स्थान पर रहे। समूह गायन प्रतियोगिता में कुमारी प्रकृति रॉय, जागृति सक्सेना, वंदना कुशवाहा, अर्चना कुशवाहा, खुशी कुशवाहा, प्रियंका गोस्वामी, और रिया सोनी के समूह द्वारा प्रस्तुत बुंदेली लोकगीत प्रथम स्थान पर रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा रंगारंग राई नृत्य का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसमें कुमारी प्रभा अहिरवार कुमारी रानू प्रजापति, मनीषा चौधरी, विमलेश चौधरी, रेखा ढीमर, और रोशनी अहिरवार द्वारा प्रस्तुत राई नृत्य प्रथम स्थान पर रहा। इस अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में श्री राजेश सिंह राजपूत प्रथम, हरिओम सक्सेना,द्वितीय और अनामिका त्रिपाठी तृतीय स्थान पर रहे। वाद विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में प्रथम हरिओम सक्सेना और विपक्ष में प्रथम अनामिका त्रिपाठी रहे। निबंध प्रतियोगिता में जागृति सक्सेना प्रथम और रिया सोनी द्वितीय स्थान पर रही। पोस्टर प्रतियोगिता में अनामिका त्रिपाठी प्रथम और प्रकृति राय द्वितीय स्थान पर रहीं। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में कुमारी मधु कुशवाहा और राजेश सिंह राजपूत की टीम प्रथम स्थान पर रही, जबकि कुमारी जागृति सक्सेना और हरिओम सक्सेना की टीम को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। कुमारी प्रियंका गोस्वामी और प्रकृति राय की टीम तीसरे स्थान पर रही। उक्त प्रतियोगिताओं के निर्णायक सर्वश्री डॉक्टर सतीश त्रिपाठी, डॉक्टर ऋषभदेव साकेत, डॉक्टर राम मोहन तिवारी, श्रीमती समीक्षा सिसोदिया, डॉ पुष्पराज चौरसिया डॉ अरविंद मंडेलिया थे? ? उक्त विजेताओं को मध्य प्रदेश उत्सव के अंतर्गत आयोजित समारोह में जिला प्रशासन द्वारा पुरस्कृत और सम्मानित किया जाएगा। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विनय श्रीवास्तव द्वारा किया गया। मध्य प्रदेश उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।

जमीन विवाद पर बीच बचाव करने गए रैकवार परिवार पर कुल्हाड़ी लाठी-डंडों से की मारपीट एवं जनलेवा हमला,दो की हालत गंभीर दो घायल--

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

छतरपुर- दिनांक 4 नवंबर 2022 को रात्रि करीबन 10-30 बजे ग्यारस की पूजा चल रही थी जिस दौरान एक ही परिवार में फसल योजना के पैसे एवं सूखा राहत के पैसे को लेकर एवं जमीन पर घर में विवाद चल रहा था विवाद के चलते मारपीट होना चालू हो गई विवाद को देख बचाने के लिए गए पड़ोसी कल्लन रैकवार 40 वर्ष ,रतिराम रैकवार 35 वर्ष ,रोहित रैकवार 25 वर्ष,लालू रैकवार 65 वर्ष के साथ लाठी-डंडों एवं कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया जिसमें रतिराम एवं रोहित की हालत गंभीर है जोकि ना तो मुंह बोल पा रहे हैं तो वही परिजनों का आरोप है कि फिर भी पुलिस के द्वारा पैसे का लेनदेन करके क्रॉस केस बना दिया और गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों पर मामूली धाराएं लगाएंगे इन चार लोगों के साथ मारपीट करने वाले लोग बब्बू उर्फ बली रैकवार, विनोद रैकवार, मंटू रैकवार, महेश रैकवार, सुनील रैकवार, कैलाश रैकवार सहित अन्य लोगों ने भी इन लोगों के साथ बेरहमी से मारपीट की जिन्हें घायल अवस्था में ईसानगर थाने ले जाया गया जहां पर गंभीर हालत होने की वजह पर उन्हें जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया जिसमें दो की हालत गंभीर है तो वही पीड़ित परिवार के लोगों का आरोप है कि पुलिस के द्वारा लेनदेन करके क्रॉस केस बनाया गया है जबकि उनको चोटें नहीं आई है एवं गांव के और अन्य लोगों के द्वारा भी मारपीट की गई लेकिन उनके नाम नहीं लेख किए गए हैं, तो वहीं

ईसानगर पुलिस के द्वारा 294,323,324,506,34 द्धक्क्ष्ट की धारा के तहत आरोपीगणों पर एफआईआर दर्ज की गई, जबकि पीड़ित पक्ष की हालत बहुत गंभीर है।।

सिरोंज जिला बनाओ अभियान समिति की बैठक हुई आयोजित, सभी राजनीतिक दलों के लोगों ने की सहभागिता

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज - रविवार को श्याम वाटिका में सिरोंज जिला बनाओ समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई एवं अधिक से अधिक लोग इस अभियान का हिस्सा बन सके इसको लेकर मंथन किया गया ज्ञात हो कि खुरई जिला बनाने की चर्चा शुरू होते ही सिरोंज में भी सिरोंज जिला बनाओ की चर्चा ने जोर पकड़ा है , सोशल मीडिया पर भी इस विषय को बड़े उत्साह के साथ लोगों के द्वारा उठाया जा रहा है, इसके पूर्व में भी सिरोंज जिला बनाओ को लेकर अनेक प्रयास की जा चुके है , लेकिन परिणामों के रूप में सिर्फ संघर्ष ही रहा है 7 वही बैठक में सामाजिक राजनीतिक और धार्मिक संगठनों ने सहभागिता की जिसमें मुख्य रुप से कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने कहा कि आपके समिति का अच्छा प्रयास हैं मैं आपके साथ हूं और हम सब मिलकर मुख्यमंत्री जी के बीच अपना विषय रखेंगे वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समिति महामंत्री कपिल त्यागी ने कहा कि 2013-14 में ही सिरोंज को जिला बनाने का ड्राफ्ट तैयार हो गया था लेकिन कुछ ऐसी परिस्थितियां रहीं कि सिरोंज जिला नहीं बन पाया लेकिन इस बार हम सब के प्रयासों से निश्चित ही सिरोंज जिला बन पाएग, वही उनके द्वारा भविष्य की कार्य योजना के विषय में विस्तार से अपनी बात रखी गई जिसमें कार्यक्रम का संचालन देवकीनंदन शर्मा के द्वारा किया गया इस दौरान पूर्व आईएएस अधिकारी सभाजीत यादव , आरबी प्रजापति , पूर्व जिला न्यायाधीश एन एस मीणा, राकेश जैन, अशोक श्रीवास्तव , अंकित साहू, नरेंद्र पाटीदार ,छगन राजपूत सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे

मध्य प्रदेश गठन की पूर्व राजस्थान में सिरोंज हुआ करता था जिला: 01 नवम्बर 1956 को मध्य प्रदेश का गठन हुआ इसके पूर्व विदिशा का सिरोंज राजस्थान सूबे का प्रमुख जिला हूआ करता था। जी हां जब सिरोंज की आबादी आज की तरह लाखों न होकर 04-05 हजार से भी कम हूआ करती थी। तब सिरोंज राजस्थान सूबे के एक जिला था। सिरोंज पहुचना या वहा से वापस आना भौगोलिक ओर दुरूह परिवहन/ यातायात की दृष्टि से ये बहुत अव्यवहारिक, समय साध्य, कष्ट प्रद था। सिरोंज जयपुर से 660 द्मद्ध ओर राजस्थान सीमा से करीब 235 द्मद्ध हुआ करता था। जबकि सिरोंज मप्र के बीचों बीच था , इसीलिए मध्य प्रदेश गठन के समय सिरोंज को विदिशा जिले की तहसील बना दिया गया 7

पृथ्वी परिक्रमा कल, पन्ना की धरा को झूमेंगे हजारों श्रद्धालु सुंदर साथ

10 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

पुष्पांजली टुडे

पन्ना। मंदिरों की पवित्र नगरी 5 पद्मावती पुरी धाम पन्ना में महामति श्री प्राणनाथ जी के मंदिर में बीते तीन दिनों से तीर्थ यात्री सुन्दरसाथ के आने का तांता लगा हुआ है। पन्ना की धरा को चूमने देश के कोने-कोने से तपोभूमि पन्ना पहुंचे हजारों सुन्दरसाथ ने श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर में शरण लेकर मंगलवार सुबह 5 बजे से परिक्रमा की तैयारी शुरू कर दी है। मालूम हो कि इस कार्यक्रम में आने वाले समस्त श्रद्धालुओं की रहने व

भोजन की व्यवस्था श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट के द्वारा की जाती है। प्राणनाथ मंदिर के चारों ओर जहां श्रद्धालुओं का जमघट लगता है तो वही धार्मिक ग्रंथ, पुस्तकें व कंठी माला बेचने वाले दुकानदार भी आकर अपनी दुकानें सजा लेते हैं।

जंगल में रहेगा मंगल श्रद्धालु करेंगे तपो भूमि की परिक्रमा: पृथ्वी परिक्रमा 8 नवंबर को प्रातः 5 बजे से शुरू होगी। सर्वप्रथम गुम्मट जी मंदिर, बंगला साहब मंदिर, सतगुरु श्रीदेवी चंद्र जी मंदिर के साथ-साथ बाई जू राज महारानी जू राधिका जी मंदिर के श्रृद्धा पूर्वक परिक्रमा कर इन चारो मंदिर में चिंतन, आरती, परिक्रमा संपन्न होगी। इसके बाद सभी लोग अपने-अपने घरों से प्रसाद तथा खाने पीने का सामान लेकर पृथ्वी परिक्रमा के लिए निकलेंगे।

श्री प्राणनाथ जी के जयकारे लगाते हुए देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालु लगाएंगे पन्ना नगर का परिक्रमा: प्राणनाथ प्यारे के जयकारे लगाते हुए गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, राजस्थान सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में हांथ में झण्डा लिए और जयकारे लगाते हुए बीते दो दिनों से श्रद्धालु पन्ना पहुंच रहे हैं जो कि 08 नवम्बर को होने वाली पृथ्वी परिक्रमा में भाग लेकर अपने आपको धन्य महशूस करेंगे। सैकड़ों किलोमीटर से पैदल चलकर आए श्रद्धालुओं ने बताया कि पृथ्वी परिक्रमा का इंतजार पूरे साल हम लोगों को रहता है। आज से दस वर्ष पूर्व जब हमारी टोली गुजरात से पन्ना आई थी तो यहां पहली बार इस परिक्रमा के रंग में रंगकर इस तपोभूमि का चक्कर लगाया था और वह आनंद प्राप्त हुआ था जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती और उसी समय से श्री जी से बिनती की थी कि जब तक जीवन है और आपकी कृपा है तो प्रतिवर्ष हम लोग इस तपोभूमि का परिक्रमा कर अपने आपको धन्य महसूस करेंगे।

रिश्वत लेने वाले आरोपी पटवारी को 04 वर्ष का सश्रम कारावास

पुष्पांजली टुडे

पन्ना- न्यायालय-श्रीमान विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988), जिला पन्ना म0प्र0के न्यायालय नें आरोपी रामाधार पिता राममिलन साकेत उम्र 52 वर्ष, निवासी गुनौर, तहसील गुनौर, जिला पन्ना म0प्र0 को धारा-7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 मे 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000/- का अर्थदण्ड एवं धारा 13(1)(डी) सहपठित धारा-13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में 04 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000/- का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। राज्य शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक/वरिष्ठ सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री दिनेश कुमार खरे ने की। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि शिकायतकर्ता/आवेदक ने दिनांक 03..09.2017 को पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त सागर के समक्ष उपस्थित होकर इस आशय का शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया कि वह ग्राम टौरियापुरा तहसील गुनौर जिला पन्ना का रहने वाला है तथा कृषि कार्य करता है। उसकी मां की गुनौर मे जमीन स्थित है जिसका बंटवारा उसके तीनों भाइयो के मध्य 5-6 माह पूर्व हो चुका है तथा बंटवारा अनुसार आवेदक अपनी जमीन का नक?शा तरमीम के कार्य हेतु हल्का नंबर 17 पटवारी रामाधर साकेत से दिनांक 30.08.2017 को मिला था जिसके द्वारा उक्त कार्यवाही हेतु उससे 4500/- की मांग की। आवेदक से दिनांक 04.09.2017 को रिश?ष्त मांगवार्ता के दौरान 1000/- रूपए एवं दिनांक 06.09.2017 को रिष्श् लेन दने वार्ता के दौरान 2000/- कुल 3000/- रिष्वत राशि प्राप्त कर साय अपनी आय में वृद्धि कर आपराधिक अवचार कारित किया। अभियुक्त के विरूद्ध अपराध क्र. 187/17 अंतर्गत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 07 एवं 13(1)(बी) सहपठित धारा-13(2)पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। संपूर्ण विवेचना के उपरांत आरोपी के विरूद्ध दिनांक 06.09.2017 को ट्रेप कार्यवाही कर गिरफ्तारी पत्रक के मुताबित गिरफ्तार कर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जहां अभियोजन अधिकारी ने महत्वपूर्ण तर्क प्रस्तुत कियें। न्यायालय द्वारा प्रकरण के तथ्य परिस्थितियों एवं अपराध की गंभीरता को देखते हुए एवं अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर आरोपी रामाधार को धारा-7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 मे 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000/- का अर्थदण्ड एवं धारा 13(1)(डी) सहपठित धारा-13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में 04 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000/- का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

नर सेवा ही नारायण सेवा है- सांसद श्री शर्मा

अजयगढ़ के स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुए सांसद एवं प्रभारी मंत्री

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

पन्ना- खनिज साधन एवं श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह के विशेष प्रयास व बीमार व्यक्तियों के बेहतर उपचार के उद्देश्य से अजयगढ़ के नवीन शासकीय महाविद्यालय परिसर में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य एवं परीक्षण शिविर लगाया गया। रविवार को शिविर के समापन अवसर पर सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा और आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं जल संसाधन राज्य मंत्री श्री रामकिशोर नानो कांवरे शामिल हुए।

इस अवसर पर सांसद श्री शर्मा ने कहा कि चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की 80 चिकित्सकों

सहित अन्य स्टॉफ की टीम द्वारा शिविर में मरीजों का उपचार किया गया है। इस अस्पताल द्वारा कोरोना काल में भी लोगों की जीवन रक्षा की गई है। चिरायु अस्पताल प्रबंधन सदैव लोगों की सेवा में तत्पर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नर सेवा ही नारायण सेवा है। सांसद ने सेवाभाव के साथ लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समर्पित चिकित्सकों और टीम के प्रति आभार जताया और चेयरमैन डॉ. अजय गोयनका और परिवारजनों का सम्मान भी किया। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि भी गरीब जनता के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहें। सांसद श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राजनीति की दिशा व दशा बदलने का कार्य किया है। गरीबों की सेवा ही वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा बीमारियों से मुक्ति के लिए कई अभियान व योजनाएं संचालित की गई हैं। अभियान के माध्यम से बड़ी संख्या में आयुष्मान कार्ड भी बनवाए गए हैं।

प्रभारी मंत्री श्री कांवरे ने कहा कि चिकित्सक कलयुग के भगवान हैं। उन्होंने कहा कि सांसद श्री शर्मा बड़े दायित्व के बावजूद भी सदैव क्षेत्र के लोगों के कल्याण की चिंता करते हैं। उन्होंने कहा कि इस शिविर में शामिल होने का सौभाग्य मिलने पर गर्व है। चिरायु अस्पताल द्वारा जनता की सेवा को सराहनीय बताया। साथ ही गृह जिले बालाघाट में भी शिविर आयोजित करने के लिए आग्रह किया।

खनिज मंत्री श्री सिंह ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन में जिला व पुलिस प्रशासन सहित कार्यकर्ताओं की अथक प्रयास के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि गरीबों की सेवा पुण्य का काम है। चिरायु अस्पताल द्वारा मानव संसाधन के साथ ही शिविर स्थल पर आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाकर पूरे मनयोग से बीमार व्यक्तियों का उपचार किया गया।

रन्नौद नगर परिषद के स्वास्थ्य केंद्र में नहीं है एक भी डॉक्टर उपस्थित

इलाज के लिए लोगों को भागना पड़ता है शिवपुरी और अन्य जिलों की ओर

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जिले के रन्नौद नगर परिषद से है जहां पर स्वास्थ्य केंद्र की हालत खस्ता हो रही है यहां पर डॉक्टर नाम की कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं है अस्पताल के चारों ओर बाउंड्री वॉल ना होने की वजह से अस्पताल में आए दिन गाय-भैंसों का और अन्य जानवरों का जमावड़ा देखने को मिलता है रात के समय में कुछ आपत्तिजनक लोग इसमें बैठकर नशे का सेवन करते हैं बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी आज दिनांक तक इस स्वास्थ्य केंद्र में किसी भी डॉक्टर को नहीं पहुंचाया गया है और जो डॉक्टर यहां पर अपनी सेवाएं दे रहे थे उनको सीएमएचओ पवन जैन द्वारा बदरवास अटैच कर दिया गया

है रन्नौद नगर परिषद में लोगों को छोटी-छोटी बीमारियों का इलाज कराने के लिए रन्नौद से निकलकर अन्य तहसीलों और जिले में भागना पड़ता है जिससे उनको काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है लोगों को हो रही परेशानी का समाधान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा नहीं किया जा रहा है इसके बावजूद भी लोग मजबूरी में शिवपुरी आकर अपना इलाज करवाते हैं मीडिया द्वारा रन्नौद नगर परिषद के अध्यक्ष से बात करने पर उन्होंने बताया की सीएमएचओ को 1 महीने पहले इस समस्या से अवगत कराया गया था लेकिन अभी तक उनके द्वारा किसी भी प्रकार से इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है बार-बार फोन करने पर वह फोन अटेंड नहीं करते हैं और ना ही कोई जवाब देते हैं जिससे जनता को और रन्नौद नगर परिषद की जनता को कोई समाधान मिल सके रन्नौद नगर परिषद के अध्यक्ष का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को अनेकों बार अपनी समस्या बताने पर भी उनके द्वारा हर बार एक नया बहाना बना दिया जाता है पूरे मामले में क्या कहना है सीएमएचओ पवन जैन का मीडिया द्वारा जब सीएमएचओ पवन जैन से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अभी फिलहाल में रन्नौदनगर परिषद में उपस्थित डॉक्टर को बदरवास शिफ्ट कर दिया गया है उसका कारण है कि बदरवास के डॉक्टर की तबीयत खराब होने की वजह से वह छुट्टी पर हैं तो रन्नौद के डॉक्टर को बदरवास शिफ्ट किया गया है लेकिन अभी रन्नौद स्वास्थ्य केंद्र में आयुष विभाग के डॉक्टर उपस्थित हैं जिनसे लोग इलाज करवा रहे हैं और जैसे ही बदरवास के डॉक्टर आ जाएंगे तो रन्नौत से शिफ्ट किए हुए डॉक्टर को वापस रन्नौद भेज दिया जाएगा सीएमएचओ पवन जैन का कहना है कि उन्होंने प्रशासन को भी इस बारे में अवगत कराया है लेकिन वहां से भी अभी कोई डॉक्टर नहीं आया है जैसे ही अगर कोई डॉक्टर यहां आता है तो उसको रन्नौद नगर परिषद स्वास्थ्य केंद्र पर भेज दिया जाएगा

कर्मचारी हुए लामबंद पुरानी पेंशन नहीं तो वोट नहीं मुहिम को करेंगे तेज-जनक सिंह रावत

महिला मोर्चा द्वारा दीपदान कर मांगी पुरानी पेंशन

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -पुरानी पेंशन बहाली संघ न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत, प्रान्त अध्यक्ष सतेंद्र सिंह तिवारी के आह्वान पर प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय पर 6 नवंबर को संगठन की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया इसी क्रम में आज शिवपुरी में सावरकर पार्क में बैठक का आयोजन किया गया संगठन के राजेश सोनी,बालूराम रावत द्वारा बताया गया कि संगठन पिछले 3 साल से विधायकों,सांसदों एवं मुख्यमंत्री के नाम सैकड़ों बार ज्ञापन दे चुका है लेकिन सरकार द्वारा अभी तक पुरानी पेंशन के लिए कोई घोषणा नहीं की गई है आंदोलन एवं प्रदर्शनों पर भी सरकार द्वारा रोक लगा दी जाती है अब प्रदेश के कर्मचारी आने वाले विधानसभा चुनाव तक जो पुरानी पेंशन देगा कर्मचारी एवं उनका परिवार उसी दल का समर्थन करेगा बैठक में सभी कर्मचारियों द्वारा पेंशन नहीं तो वोट नहीं मुहिम में साथ देने का संकल्प लिया संगठन के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत द्वारा कहा गया कि पूरे प्रदेश में पेंशन नहीं तो,वोट नहीं मुहिम को तेज किया जाएगा और समस्त प्रदेश के कर्मचारी जन-जन तक इस बात को लेकर जाएंगे कि हमारे विधायक,सांसदों को पेंशन फिर कर्मचारियों को पेंशन क्यों नहीं पेंशन नहीं तो वोट नहीं मुहिम मै कर्मचारी,जनता, युवाओं को साथ लेकर संदेश देंगे एक देश एक संविधान फिर दो विधान कैसे जब कर्मचारियों,अधिकारियों को पेंशन नहीं फिर नेताओं की पेंशन भी बंद होना चाहिए यह जन जागरण द्वारा जनता को भी बताया जाएगा आज की बैठक में हेमंत यादव,बालूराम रावत, राजेश सोनी,संतोष श्रीवास्तव, बुंदेल सिंह आर्य,मोहन दास बैरागी, जितेंद्र तोमर,लोकेश,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बसंती शर्मा जिला संयोजक रेणु शर्मा,रेखा शर्मा, मेघा गुप्ता,अनीता राठौर, श्रीमती दुर्गेश सक्सेना सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे

स्कूल बंद,बच्चों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़ शिक्षा राम भरोसे

संवाददाता विशाल सिंह पुष्पांजली टुडे

अमोला थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मामूनी कला के मजरा टपरन पर शिक्षा राम भरोसे चल रही है वैसे तो हमारे मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि मध्य प्रदेश की शिक्षा नंबर 1 है जहां शिक्षकों की मंथली वेतन 25000 से 30,000 हो तो शिक्षा तो बेहतर होगी ही लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है खबर अमोला थाना अंतर्गत मामूनी कला के मजरा टपरन से है शासकीय प्राथमिक विद्यालय पर जो शिक्षक तैनात हैं 1:00 बजे ही बंद करके चले जाते हैं और कभी-कभी तो स्कूल खुलते ही नहीं है जब हम स्कूल पर पहुंचे तो वहां पर कोई भी शिक्षक नहीं थे और ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि आज तो स्कूल खुला ही नहीं है बच्चों ने 2 घंटे तक स्कूल पर इंतजार किया शिक्षक ना आने पर वह अपने अपने घर को चले गए ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि यहां पर

बच्चों की भर्ती संख्या भी बहुत कम है क्योंकि यहां का स्कूल कभी भी टाइम पर नहीं खुलता है ना ही कभी टाइम पर शिक्षक आते हैं उनका कहना था कि जब उनको अपने घर कार्य से फुर्सत रहती है तो वह स्कूल को खोलते हैं वरना अपने घर के कार्य में ही व्यस्त रहते हैं

पुरानी पेंशन संघ के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत को दी पुष्पांजली टीम ने विदाई समारोह

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जिले कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले नवाब साहब रोड स्थित पुष्पांजलि टुडे कार्यालय से है जहां पर आज पुरानी पेंशन स्थानीय के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत जोकि पैसे से एक शिक्षक की भूमिका निभाते हैं और लगातार पुरानी पेंशन के लिए संघर्ष करते आ रहे हैं इनके संघर्ष को देखते हुए काफी लोग इनसे जुड़े हुए हैं और काफी लोग इन को अपना आदर्श भी मानते हैं सभी के इन सभी के दिलों पर राज करने वाले जनक सिंह रावत जी जो अभी तक कोलारस के नरोदा में अपनी सेवाएं दे रहे थे उनका स्थानांतरण जोरा जिला मुरैना के एक विद्यालय में हो गया है और उन्होंने वहां पर अपनी सेवाएं देना शुरू कर दी गई है अपने चाहने वालों के दिलों पर राज करने वाले ऐसे शिक्षक को एकदम से छोड़ देना सभी को एक धक्का सा लगता है लेकिन अपनी नौकरी के साथ-साथ अपने अधिकारों की लड़ाई करना बहुत बड़ी बात है ऐसी ही लड़ाई इनके द्वारा की जा रही है जनक सिंह रावत जी का कहना है की इस लड़ाई को वहां से भी चालू रखेंगे और आगे अपने कार्य को पूरी तरह से करेंगे आज पुष्पांजलि टुडे के कार्यालय पर जनक सिंह रावत जी को बधाई पार्टी के रूप में पूरी टीम ने विदाई दी इस पर इस मौके पर ग्वालियर से पधारे पुष्पांजलि टुडे के संपादक भरत सिंह चौहान सह संपादक शैलेंद्र सिंह कुशवाहा एंकर रश्मि चौहान राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रामस्वरूप रजक जी मध्य प्रदेश मीडिया प्रभारी अनिल कुशवाहा जिला रिपोर्टर हरिओम परिहार पिछोर रिपोर्टर महेंद्र रजक कैमरामैन आशीष थापक और अन्य सभी सहयोगी शामिल रहे

स्कूल में पानी नहीं मिलने से छात्र परेशान

संवाददाता विशाल सिंह पुष्पांजली टुडे

अमोला थाना अंतर्गत खबर ग्राम बरोदी से शासकीय माध्यमिक विद्यालय में पानी की समस्या बहुत गंभीर रूप से है जानकारी के अनुसार छात्रों ने बताया कि शासकीय माध्यमिक विद्यालय बरौदी में कम से कम 1 साल से पानी की समस्या है पानी पीने के लिए 2 किलोमीटर तक जाना पड़ता है इससे 25 से 30 मिनिट लग जाते हैं जिससे उनकी शिक्षा पर भी काफी असर पड़ता है और इस संबंध में पीएचई विभाग ने पिछले साल उसमें एक बोरवेल भी डाल दिया था लेकिन उससे भी कोई काम नहीं बना क्योंकि विद्यालय पर लाइट ना होने के कारण यह सबसे बड़ी समस्या है और संबंधित अधिकारी इस पर बिल्कुल पूरी तरह से मौन है प्राचार्य ने बताया कि हम इस संबंध में पहले भी पीएचई विभाग को एक आवेदन दे चुके हैं लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है

आपरेशन प्रहार के तहत 33 किलो गांजा के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार ।

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल द्वारा ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध गांजा के उत्पादन कर्ताओं, विक्रेताओ के विरूध्द कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था उक्त आदेश के पालन मे श्रीमान अति. पुलिस अधीक्षक महोदय जिला शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एस.डी.ओ.पी महोदय पिछोर श्री दीपक तोमर के मार्गदर्शन में ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध

गांजा उत्पादन कर्ताओ, विक्रेताओ के विरूध्द कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देशन के पालन आज दिनांक 06.11.2022 को निरी. तिमेश छारी थाना प्रभारी थाना खनियाधाना को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चमरौआ मजरा राजनगर मे गांजे के पेड़ खड़े हुये है । उक्त सूचना पर मय फोर्स के आरोपी के खेत पर पहुचे तो गांजे के हरे पत्तीदार कुल 34 पेड़ बजनी 33 किलो कीमती 1,80,000 रुपये को विधिवत जप्त कर मौके से आरोपी निवासी निवासी ग्राम चमरौआ मजरा राजनगर को विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी के विरूध्द अपराध क्र. 640/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का कायम किया गया है । उक्त कार्यवाही मे निरीक्षक तिमेश कुमार छारी मय उनि रणवीर सिह चौहान , सउनि प्रकाश सिह कौरव ,आर.211 लालसिह , आर. 671 बनवारी भिलाला , आर. 861 आशीष प्रताप , आर. 858 सत्यवीर गुर्जर, आर. 671 रवि वाथम, सै 138 अनिल यादव , एनआरएस अमरसिह वंशकार के महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

दबंगों ने किया शासकीय स्कूल पर अवैध कब्जा

रिपोर्टर प्रदीप जैन पुष्पांजली टुडे

रन्नौद ग्राम पंचायत झांडी के ग्राम पंचायत भादरा में शासकीय भूमि सर्वे नंबर 133 जो खलियान के नाम से है और इसी भूमि पर शासकीय प्राथमिक विद्यालय की इमारत बनी हुई है इस शासकीय भूमि एवं शासकीय विद्यालय की इमारत पर कुछ ग्राम के दबंग द्वारा कब्जा कर इमारत के कुछ कमरों में भूसा भर दिया गया

मंत्री ने मंच से? विकास की बड़ी बड़ी बाते कही, लेकिन प्रदेश की हकीकत कुछ और? है- सीपीएम भिंड

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

भिंड। मा क प जिला सचिव मंडल सदस्य राजेश शर्मा से प्राप्त जानकारी अनुसार विगत दिनों में मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री का जिले में दौरा हुआ। मंत्री ने मंच से? विकास की बड़ी बड़ी बाते कही। लेकिन प्रदेश की हकीकत कुछ और? है। सन् 2,000 ,2003 में मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी। तब प्रदेश पर?? मात्र 23000 करोड़ रूपए का कर्ज था। अब यह बढ़कर 3,32,000 करोड पहुंच चुका है। नए कर्ज की 50त राशि इस कर्ज के ब्याज में ही चली जाती है। प्रदेश में बीच में एक 15 महीने की सरकार आई। हालांकि उस सरकार की भी जनविरोधी नीतियों से हम सहमत नहीं थे। लेकिन उस सरकार ने 21,000 किसानों के 6,000 करोड़ के कर्ज माफ किए थे। कर्ज माफी की प्रक्रिया जारी थी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन को बढ़ाकर 300 से ?600 किया था। कन्या विवाह योजना 25,000 से बढ़ाकर 51,000 की थी। हमने उस सरकार के इन जन हितेषी फैसलों का

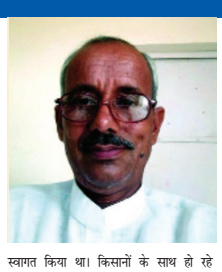

स्वागत किया था। किसानों के साथ हो रहे अन्याय का बहाना बनाकर सिंधिया जी ने अपने विधायकों को लेकर भाजपा में शामिल हो गए। बहाना किसान का था। संपत्ति खुद की बचानी थी। तब से फिर भाजपा की सरकार काबिज? है। इस सरकार ने प्रदेश के एक भी किसान का कर्जा माफ नहीं किया। प्रदेश में किसानों की जमीन की लूट मची हुई है। भाजपा सरकार ने 4,30,000 हेक्टेयर जमीन किसानों से छीन कर उद्योगपतियों को सौंप दी है। जबरन छीनी गई इस जमीन का मुआवजा भी बहुत कम मिला है। सरकार ने ग्राम सभाओं की अनुमति लेना भी उचित नहीं समझा। भिंड मुरैना श्योपुर जिले में अटल एक्सप्रेसवे के नाम पर हजारों बीघा किसानों की जमीन छीनने की सरकार कोशिश कर रही है। शिक्षा के क्षेत्र में 1,12,000 सरकारी स्कूलों को बंद करके सीएम राइजिंग स्कूल के नाम से होंगे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में 1,30,00000 पढ़े-लिखे नौजवान बेरोजगार हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भूस्वामी, धनी तबकों, ठेकेदारों, नौकरशाहों और पूंजीवादी जनप्रतिनिधियों का गठजोड़ मजबूत होता जा रहा है। प्रदेश में कर्ज की वजह से छोटे किसान अपनी जमीनें बेच रहे हैं। प्रदेश में 17त खेत मजदूरों की संख्या बढ़ी है। श्योपुर जिले के सांडवा गांव में अटल एक्सप्रेसवे में जा रही जमीन से घबराकर रामहेत सुमन नाम के किसान की हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। सरकार में बैठे लोग कह रहे हैं कि विकास हो रहा है। जबकि हकीकत में मध्यप्रदेश का विनाश हो रहा है। नेता नौकरशाह अपनी तिजोरिया भरने में लगे हुए हैं। प्रदेश की जनता इनके एजेंडे से गायब है।

डांग गुर्रीना (गोरेलाल का पुरा) में चल रही श्रीमद् भागवत कथा मै अगमन हुआ पूर्व बीज निगम अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव जी

पवन विश्वकर्मा पुष्पांजली टुडे

महालमपुर के पास डांग गुर्रीना (गोरेलाल के पुरा) कल्याण सिंह किरार के यहां श्रीमद् भागवत कथा में पूर्व बीज निगम अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव जी का आगमन हुआ कथा श्रवण की ओर दो शब्द बोलते हुए कहा मानवता जाती है ,इंसानियत धर्म है, मै इसी प्रकार सेवा करता रहूंगा यही मेरा कर्तव्य

भीम आर्मी की कार्यकरणी हुई गठित

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर अभिषेक कुशवाहा

सिरोंज भीम आर्मी के द्वारा विकासखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई जिसमें ब्लॉक और तहसील की नई कार्यकारिणी गठित हुई जिसमें भीम आर्मी विदिशा जिला सयोंजक गब्बर सिंह के द्वारा ब्लॉक् सयोंजक जितेंद्र प्रभाकर , ब्लॉक सह सयोंजक संजीव सूर्यवंशी,ब्लॉक सचिव निर्मल प्रभाकर,महासचिव कमलसिंह , ब्लॉक प्रवक्ता दिनेश अहिरवार महासचिव शिवम जाटव ,रवि ,बबलू को नियुक्त किया गया इसी प्रकार तहसील सयोजक अभिषेक अहिरवार सह सयोंजक भारत सचिव सुदर्शन महासचिव संतोष कोसाद्यश विशाल अहिरवार प्रवक्ता-आकाश अहिरवार सहित अन्य लोग भी नियुक्त किए गए इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रहीश साह मोहरसिंह बौद्ध शेरसिंह जाटव आदि लोग उपस्थित हुए वहीं नवीन नियुक्तियों पर साथियों के द्वारा पदाधिकारियों को बधाई दी गई

विश्व हिंदू परिषद हित चिंतक अभियान का आज टेकरी सरकार मंदिर पिछोर पर बैठक का शुभारंभ

राकेश परिहार दैनिक पुष्पांजली टुडे

पिछोर,विश्व हिंदू परिषद हित चिंतक अभियान का आज टेकरी सरकार मंदिर पिछोर पर बैठक का शुभारंभ किया गया जिसमें समस्त पिछोर के गणमान्य नागरिकों ने हित चिंतक अभियान के सदस्य बने एवं आगामी 6 नवंबर से 20 नवंबर तक यह अभियान संपूर्ण ग्राम नगर जिला प्रांत में चलेगा जिसमें आज जिला अध्यक्ष पवन शर्मा एवं समस्त हिंदू हित चिंतक सदस्य मुख्य रूप से कार्यक्रम में उपस्थित रहे

ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में राज्यमंत्री OPS भदोरिया जी ने दी सौगात 4 स्टेडियम एक मेहगांव अमायन रौन गरमी में एवं समस्त ग्राम पंचायतों में जहां जगह हो गई वहां सभी जगह स्टेडियम का निर्माण होगा समस्त बच्चों के खिल उठे चेहरे बच्चों का बढ़ाया

दैनिक पुष्पांजली टुडे वृजपाल सिह गुर्जर

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 3 नवंबर से 6 नवंबर 2022 के समस्त विकास खंडों में खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन आज दिनांक 6 नवंबर 2022 को मेहगांव, भिंड, गोहद के अंदर आयोजित किया गया डॉ सतीश कुमार एस कलेक्टर भिंड एवम भिंड पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान एवम खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी शैलेंद्र भारती जी के निर्देशानुसार मेहगांव ब्लॉक अतिरिक्त प्रभार जिला खेल प्रशिक्षक श्री संजय पंकज के द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन ब्लॉक मेहगांव में जग में लगभग बालिका वर्ग में 10 टीमों ने भाग लिया एवं बालक वर्ग में 30 टीमों ने भाग लिया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया, एवं अतिथि के रूप में माननीय प्रतिनिधि डॉक्टर भारत सिंह भदोरिया उर्फ रिंकू, एवं थाना प्रभारी श्री विजेंद्र सिंह चौहान एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर

माध्यमिक विद्यालय मेहगांव के प्रभारी प्राचार्य श्री पीके श्रीवास्तव शिक्षा विभाग ने किया एवं अरविंद सिंह भदोरिया बीआरसीसी मेहगांव ब्लॉक क्रीड़ा प्रभारी रघुवीर सिंह तोमर एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई राजेश चतुर्वेदी क्रीड़ा प्रभारी ष्ह राईज स्कूल मेहगांव एवं महिला वर्ग में अहम भूमिका निभाई हॉस्टल वार्डन श्रीमती रानी मैडम एवं श्री चंद्रशेखर समाज सेवक, एवं वरिष्ठ कोच श्री प्रमोद गुप्ता श्री राजा मधुरिया श्री बादशाह सिंह गुर्जर ब्लॉक कोऑर्डिनेटर अटेर श्री नीरज सिंह बघेल ब्लॉक कोऑर्डिनेटर लहार श्री अनिल श्रीवास, एवं महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर विजेता टीम शासकीय पीजी कॉलेज मेहगांव एवं द्वितीय स्थान पर रही शासकीय सीनियर बालिका छात्रावास की छात्राएं एवं तृतीय स्थान पर भी शासकीय सीनियर बालिका छात्रावास की छात्राओं ने बाजी मारी एवं पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान पर गोरमी की टीम रही एवं द्वितीय स्थान पर शीतला की टीम रही एवं तृतीय स्थान पर शिवाजी क्लब की टीम रही विजेता एवं उपविजेता दोनों टीमों के कप्तानों को शील्ड एवं समस्त खिलाड़ियों को माननीय राज्यमंत्रीश्री श्रीमती भदोरिया जी जिला खेल प्रशिक्षक खेल एवं युवा कल्याण विभाग संजय पंकज एवं खेल विभाग के समस्त स्टाफ के द्वारा मैडल एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया

बंथरी गांव की बहू ने रचा इतिहास, नेट एवं जे.आर.एफ की परीक्षा की पास।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर- बंथरी गांव पहले से ही चर्चाओं ने रहा है जहाँ पहले बेटियों ने नाम रोशन किया है बही अब बहू ने बंथरी गांव का नाम रोशन किया है, आपको बता दे ग्राम बंथरी के स्वर्गीय श्री रामेंद्र सिंह राजावत की बहू ने इतिहास रच दिया है जिसमे हाल ही में नेट एवं जे.आर.एफ की परीक्षा में 98.47? ताकर पास कर लिया है जिसकी बजय से ग्राम बंथरी खुशी लहर देखने को मिल रही है, जबकि पति राहुल राजावत मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक के रूप में ग्वालियर में सेवाएं दे रहे है वही उनकी पत्नी रामा ने नेट एवं जे.आर.एफ की परीक्षा पास करके अपने ससुराल के साथ मायके का नाम भी रोशन कर दिया है, आपको बता दे कि रामा तोमर मध्य प्रदेश जिला मुरैना के छोटे से गांव मिरद्यान में रहने बाले श्री इंदल सिंह तोमर की बेटी है, आज जहाँ लोग बेटियों को ग्राम में ज्यादा पड़ा नही और उनकी जल्दी शादी करा देते है ऐसे में रामा तोमर के पिता ने अपनी बेटी को शिक्षा से दूर नही रखा साथ ही रामा की शादी होने के बाद ससुराल पक्ष की तरफ से भी रामा को पढ़ाने के लिये मना नही किया जिसकी बजय से आज पति राहुल राजावत के सहयोग से खुद घर पर रहकर पढ़ाई करके आज परीक्षा पास करके अपने गांव एवम ससुराल के साथ साथ मध्य प्रदेश का नाम भी रोशन किया है, आपको बता दे कि रामा तोमर ने ग्वालियर में अपने पति राहुल राजावत एवम दो बच्चो के साथ रह करपढ़ाई करके यह सफलता हाशिल की है। जबकि रामा का कहना है कि माता पिता एवम सास ससुर, गुरुजनों का ही आशिर्वाद साथ ही अपने साथियों के सहयोग भी रहा जिनकी बजय से आज यह सफलता हाशिल की है।

रोहिणी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा की जा रही गऊ माता की सेवा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। रोहिणी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सभी सदस्यों ने मिलकर दवाई उपलब्ध कराएं जिससे गायों को होम्योपैथिक दवाई के अलावा उनके के उपचार में भी उनके घाव हो रहे हैं और लंपी अधिक मात्रा में फैल गया है उनको रोकने के लिए हमारी टीम ने मिलकर पैसे मिलाएं और मेडिकल किट तैयार की जिससे गायों को घाव वगैरह हो रहे हैं उसका भी इलाज किया जा सके और हमारी टीम सभी मिलकर रोजाना जगह-जगह जाकर गायों को ट्रीटमेंट दे रहे हैं हमारी टीम के सभी सदस्य गायों की सेवा में लगे हुए है दिल से आभार व्यक्त करता और जो सदस्य काम कर रहे हैं उनका मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं और मैं सभी भाइयों से निवेदन करता हूं कि आप भी आगे आइए और गायों के उपचार में अपना योगदान प्रदान कीजिए हमारी टीम के सभी सदस्य के नाम दीपक , लाखन ,मनू शिवम् ,सुधाम ,अर्पित ,विवेक , विशाल, सौरव , मैं इन सभी दिल से आभार व्यक्त करता हूं आप सभी मेरे साथ गायों के इलाज करने में पूरा सहयोग कर रहे हैं बोलिए गो माता की जय

पेड़ पौधों के बीना जीवन का अस्तित्व नहीं उपेंद्र सिंह धाकड़ पुलिस इंस्पेक्टर

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद चौराहा, गोहद के मुक्तिधाम में पौधा रोपड़ के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपेंद्र सिंह धाकड़ पुलिस इंस्पेक्टर थाना गोहद चौराहा ने पीपल, अशोक, टिकोनिया आदि के पौधे रोपित करते हुए कहा की पेड़ पौधे हमे ऑक्सीजन ही नहीं प्रदान करते बाल्की कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण कर वातावरण को शुद्ध बनाते हैं हमे पेड़-पौधे रोपित कर निरंतर उनकी देखभल करनी चाहिये इसी अवसर पर जेपी अग्रवाल ने कहा की एक पेड 10 पुत्रों के समान होते है पौधरोपन के अवसर पर मुख्य रूप से जेपी अग्रवाल दिनेश गर्ग अरुण शर्मा दिनेश नरेंद्र सिंह बघेल जितेंद्र सिंह तोमर आसाराम दीपक सुभाष जितेंद्र सिंह गोविंद सिंह आदि लोगो ने पौधरोपन किया

श्री श्याम भक्त परिवार द्वारा भव्य भजन संध्या का हुआ आयोजन।

ऐसी मस्ती कहां मिलेगी श्याम नाम रस पीले..... ऐसे अनेकों भजनों पर श्याम प्रेमियों ने जमकर जयकारा लगाया बाबा श्याम का।

शहर के सुप्रसिद्ध भजन गायक वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी ने मनमोहक भजनों से श्याम प्रेमियों को जमकर झुमाया।

हजारीबाग कार्तिक महीने में धार्मिक अनुष्ठान काफी देखी जाती है कई तरह के महत्वपूर्ण त्यौहार भी इस महीने पूरी विधि विधान से मनाई जाती है इसी बीच राजस्थान के खाटू श्याम में विराजमान श्री श्याम बाबा के जन्म जयंती के के उपलक्ष में पूरे भारतवर्ष में श्याम प्रेमियों के द्वारा विभिन्न प्रकार की कार्यक्रमों का आयोजन किया

गया। इसी बीच हजारीबाग शहर के पीटीसी चौक स्थित पेपर सॉल्ट रेस्टोरेंट के समीप अरविंद ताम्बी के निवास स्थान में श्री श्याम भक्त परिवार के द्वारा भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम बाबा श्याम की भव्य पूजा अर्चना श्री रानी सती मंदिर के प्रधान पुजारी शशीकांत मिश्रा ने यजमान स्वरूप अरविंद ताम्बी एवं उनकी धर्मपत्नी के साथ संपन्न कराया। जिसके पश्चात बाबा श्याम का भव्य ज्योत लिया गया। जिसके पश्चात ताम्बी परिवार एवं श्री श्याम भक्त परिवार के द्वारा शहर के सुप्रसिद्ध भजन गायक वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी का स्वागत किया गया। भजन संध्या के दौरान छप्पन भोग, इत्र की वर्षा, अखंड ज्योत मनोहारी श्रृंगार किया गया। वही भव्य भजन संध्या के दौरान बाबा श्याम का केक काटकर समस्त श्याम प्रेमियों ने जन्म जयंती मनाया। वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी ने देर रात्रि तक बाबा श्याम के भजनों से श्याम प्रेमियों को झुमाया। वही वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी ने गणेश वंदना के साथ भव्य भजन की शुरुआत किया। सुप्रसिद्ध भजन गायक ने श्याम प्रेमियों के बीच मेरी आँखियाँ करे इंतेज़ार साँवरे पलकों का घर तैयार संवारे.....क्यूँ घबराऊँ मैं मेरा श्याम से नाता है.....एक बार आओजी सँवरिया महारे अंगना.....ऐसी मस्ती कहाँ मिलेगी श्याम नाम रस पीले जैसे अनेकों भजनों पर वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी ने देर रात्रि तक श्याम प्रेमियों को झुमाया।

नेशनल मीन्स-कम-मैरिट स्कॉलरशिप परीक्षा बालाघाट में संपन्न

21 परिक्षा केन्द्र में 7439 परीक्षार्थी हुए उपस्थित

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

बालाघाट नेशनल मीन्स-कम-मैरिट स्कॉलरशिप एक केंद्र प्रायोजित स्कॉलरशिप योजना है। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा शुरू की गई है। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को माध्यमिक स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता मिल सके व कक्षा 8वीं में ड्रॉपआउट दर को रोका जा सके। इस योजना के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को 12000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल

मप्र भोपाल के अनुसार राष्ट्रीय मिन्स-कम - मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा वर्ष 2022-23 का आयोजन 6 नवंबर को बालाघाट जिले को 21 परीक्षा केंद्र पर आयोजित की गई। जिसमें 7612 परिक्षार्थी दर्ज रहे। जिनमें 173 परिक्षार्थी अनुपस्थित तथा 7439 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 97.72 प्रतिशत उपस्थिति रही है। उक्त परीक्षाओं के लिए परीक्षा केन्द्र शास . उत्कृष्ट उ.मा.वि. बालाघाट, प्राचार्य ठाकुरदास लिल्हारे , प्राचार्य श्रीमती अनिता तारन , प्राचार्य इन्द्रश्याम ठाकरे प्राचार्य आलोक कुमार चौरे , प्राचार्य एस के मानेश्वर , प्राचार्य श्री डी डी ठाकरे , प्राचार्य श्रीमती कुमुद धुवारे , प्राचार्य श्रीमती रमा कनरे प्राचार्य सौरभ शर्मा , प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार गुप्ता , प्राचार्य डी सी डहरवाल , प्राचार्य शैलेन्द्र सहारे , प्राचार्य अरविंद यादव , प्राचार्य यतिन्द्र कुमार अग्रवाल , प्राचार्य बी आर रामटेके , प्राचार्य बी एल चौधरी , प्राचार्य श्री बी पी शर्मा आदि रहे। सभी परिक्षा केन्द्र में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम थे। पर्यवेक्षकों एवं परिक्षार्थियों के द्वारा परिक्षा केन्द्र में व्यवस्था को लेकर सकारात्मक जवाब दिया।

इस तरह होगी परिणामों की घोषणा

एनएमएमएस के लिए छात्रों की अंतिम सूची का चयन करते समय जिन स्थितियों पर विचार किया जाता है, वे इस प्रकार है कि विद्यार्थी ने प्रत्येक परीक्षा में कम से कम 40त अंक प्राप्त किये हों।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के चलते नगर परिषद ने चलाया स्वच्छता अभियान

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- शासन की मंशानुरूप मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में नगर परिषद दबोह द्वारा लगातार 01 नबम्बर 2022 से स्वच्छता को बनाये रखने के लिए सफाई अभियान जारी है जिसके चलते नगर परिषद दबोह अध्यक्ष विमला नरेंद्र दुधारिया व उपाध्यक्ष हाकिम सिंह चौधरी के निर्देशन में स्वच्छता नोडल प्रभारी एन आर खेंगर लगातार स्वच्छता के प्रति तत्पर हैं।श्री खेंगर ने बताया कि मप्र स्थापना दिवस के चलते 01 नबम्बर 2022 से ही लगातार नगर में सफाई अभियान चलाया जा रहा है व कीटनाशक पाउडर का भी छिड़काव कराया जा रहा है।वहीं उन्होंने नगर की आमजनता से स्वच्छता बनाये रखने की अपील की और कहा कि सभी लोग कचड़ा गाड़ी निकलते समय ही कचड़ा गाड़ी में कचड़ा डालें अपने घर के आसपास गन्दगी न पनपने दें जिससे कि बीमारियां उत्पन्न हो।

सीरवी समाज धाकड़ी गांव दीपावली स्नेह मिलन का हुआ आयोजन

पुष्पांजली टुडे / नारायणलाल सेणवा

बेंगलूरु-सीरवी समाज धाकड़ी गांव का सातवा वार्षिक दीपावली स्नेह मिलन जोगरखली मागड़ी रोड स्थित आईमाता धाम में रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ धाम में आईमाता की तस्वीर के समक्ष पूजा अर्चना के साथ हुआ । अध्यक्ष पोकरराम गेहलोत ने युवाओं को खेलकूद एवं शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम में चढ़ावे बोले गए । तिलक की बोली भुण्डाराम भायल हार की बोली सुजाराम भायल दीपक की बोली कुनाराम गेहलोत माताजी के भोग की बोली पुकाराम भायल आरती की बोली हुकारराम चोयल ने लिया ।लाभार्थीयों का शॉल व माला पहनाकर स्वागत किया गया ।कार्यक्रम स्थल पर समाज बन्धुओं ने महाप्रसादी का ग्रहण किया।इस अवसर पर खेलकूद कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया ।मंच संचालन भंवरलाल गेहलोत ने कहा कि सेवा संघ के युवाओं ने हमारे समाज के विशेष मुकाम हासिल किया है इस अवसर पर देवाराम गेहलोत, मालाराम सोलंकी,कुनाराम गेहलोत,थानाराम बर्फा सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे।

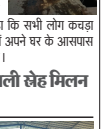

भाजपा ने देश को महंगाई दी : मान सिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा आयोजित भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे दिन यात्रा का शुभारंभ ए बी वी एम कॉलेज से किया गया जिसमें कांग्रेस जिलाध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा संविधान के प्रति हाथ में लेकर यात्रा में आगे चले इसी क्रम में मेहगांव गल्ला मंडी पहुंचकर संविधान के रचयिता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और कहा देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए यह यात्रा अहम साबित होगी वर्तमान सरकार देश प्रदेश में इतनी महंगाई दी की गरीब के घर में चूल्हा नही जल रहा है देश में उद्योगपतियों की सरकार चल रही है इसलिए सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है इसी क्रम में यात्रा के प्रभारी रणजीत सिंह गुर्जर ने कहा यात्रा में मिल रहे आमजन के समर्थन का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं यह प्रभारी संदीप मिश्रा ने भी साथ चल रहे कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा यात्रा का दूसरे दिन का पड़ाव मेहगांव शिव शक्ति गार्डन में किया गया है यात्रा में प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता मनोज देवपुरिया, बृजेंद्र सिंह कल्लू, देवेंद्र सिंह राजावत भारोली पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया,अमित कुशवाहा वरिष्ठ महिला नेत्री शांति कुशवाह,महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष रेखा भदौरिया ,युवा नेता राहुल भदौरिया, उस्मान खान ,ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र नरवरिया, संजीव करैया जगत सिंह यादव, वरिष्ठ नेता राम हरि शर्मा, जगदीश शर्मा, डॉक्टर बृजेश मौर्य, अजमेर सिंह गुर्जर जितेंद्र परजीत लोधी, राजवीर खत्रा, ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह चौहान, लायक सिंह गुर्जर, दीपेंद्र फौजी, विजय बरैया,जबर सिंह कुशवाहा नारद कुशवाहा इत्यादि लोग उपस्थित थे।

रूपावास में श्रीमद भागवत कथा व नानी बाई मायरा का कलश यात्रा निकालकर कथा वाचन शुभारंभ किया।

नरेश कुमार सिरवी पुष्पांजली टुडे

पाली राज। पाली निकटवर्ती रूपावास मे श्री करणी माता मन्दिर पुरानी स्कूल मैदान प्रागण मे विशाल संगीत श्रीमदभागवत कथा व नानी बाई मायरा कथा वाचन का कार्यक्रम आयोजन समस्त ग्रामवासी की ओर से श्री चारभुजा ठाकुरजी मंदिर से पण्डितो के सन्धिया मे व ग्रामीण श्रद्धालुओ के द्वारा शुभ मुहूर्त विधि विधान मंत्रच्चारो से ढोल थाली गाजे बाजे व डीजे की धुन तथा मंगल गीतों ,जयकारे के साथ कलश यात्रा शुरू की हुई जो विभिन्न मार्गों से होकर वापस कथा वाचन पांडाल पहुंचकर कलश स्थापना के साथ राधा स्वरूपा सुमन तिवाडी जसवंतगढ (नागोर)का प्रवेश किया उसी बाद श्रीमदभागवत कथा का भव्य धार्मिक उत्सव का शुभारंभ किया गया ।इस अवसर पर मंदिर पुजारी संत श्री बाबूलाल वैष्णव, दिपक शर्मा, सरपंच सुरेश बंजारा, अमराराम, हरिभाई पटेल,नारायण सुथार, पुखराज मालवी, धनराज, मांगीलाल, बाबूलाल, कैलाश, जितेन्द्र, वेनाराम घींवी, नेमाराम राठौड़, देवेन्द्र पटेल, शैषाराम घींवी, नारायण लाल रामअवतार शास्त्री सहित कई ग्राम वासी मौजूद थे ।

असुरक्षित पाकिस्तान - मानव बम के समान है

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। दिलीप मिश्रा (स्वतंत्र लेखक एवं साहित्यकार) के लेखन अनुसार देश के सुप्रसिद्ध पत्रकार और साहित्यकार स्व. श्री राजेन्द्र यादव ने जनसत्ता में अपने एक लेख में लिखा था कि -÷ जलता हुआ पाकिस्तान भारत को कभी भी झुलसा सकता है 7÷ आज भी वह पंक्तियाँ सत्य शाबित हो रही हैं 7 पाकिस्तान के अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान की ÷तहरीक- ए- इंसाफ ÷ पार्टी के नेता नवाब इमरान खान पर हुए जानलेवा हमने ने पाकिस्तान को गृहयुद्ध और सैन्य तानाशाही शासन की अंधी सुरंग की ओर धकेल दिया है 7 इस घटना ने मरहूम पूर्व प्रधानमंत्री बेनज़ीर भुट्टो की हुई हत्या की घटनाकी फिर से याद ताजा कर दी, वह तो खुदा बंद करीम की जर्रा नवाज़ी थी कि नवाब साहब जनाब इमरान खान बाल बाल बच गये , अन्यथा उनका हश्र भी बेगम बेनज़ीर जैसा ही हो जाता और उनकी चार बेगमें एक साथ बेवास्ता हो जातीं, वैसे भी पाकिस्तान का एक स्याह इतिहास यह भी है कि यहाँ के अपदस्थ प्रधानमंत्री/राष्ट्रपति या तो मार दिए गये, या सहदी अरब, अमरीका भाग गये या फिर फांसी पर लटका दिये गये, खैर, यहाँ तो चर्चा यह करनी है कि अस्थिर पाकिस्तान का असर भारत पर कैसे, कितना और क्यों पड़ेगा ? मुलाएज़ा फरमाइये कि जनाब इमरान खान ने सीधे सीधे तौर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ,(नवाज शरीफ के छोटे भाई) ,आंतरिक मामलों के मंत्री राणा सनाउल्ला खान और मैज़र जनरल फैसल नसीर पर अपनी हत्या के षड्यंत्र का आरोप मय पुख्ता सबूत के साथ ,आडियो रिकार्ड, गवाहों सहित खबरनवीसों की मौजूदगी में बदस्तूर लगाया है 7 इससे अब पाकिस्तान में राजनैतिक अस्थिरता और बढ़ेगी पाकिस्तानी सरकार पर अस्थिरता का साया तेजी से मंडरायेगा और इससे भारत विरोधी पाकिस्तानी तथा उनसे सहानुभूति रखने बाले भारत के देशी भारतीय स्लीपर सैल एवं कथाकथित छद्दम धर्मनिरपेक्ष दलों के सहयोग से भारत में अपनी आतंकी कार्यवाही करने के लिए सक्रिय हो जायेंगे, क्योंकि पाकिस्तान की सरकार अपनी विफलता को छिपाने के लिए भारत में कोई बड़ी कार्वाही करता ही रहा है ? आखिर वह

कुछ नही कर पायेगा तो यह आरोप तो लगाई सकता है कि भारत की खुफिया एजेंसी पाकिस्तान में अस्थिरता पैदा कर रही है 7 भारत में पंजाब में शिव सेना के एक बड़े नेता की हत्या भी इसी कड़ी में हो गई और इसकी जिम्मेदारी कनेडा के एक खलिस्तानी आतंकी संगठन ने ले ली 7 यह पाकिस्तान में दसको से हो रहा है कि पाकिस्तान में जब भी राजनैतिक अस्थिरता होती है तो उन गतिविधियों का असर भारत पर भी होता है 7 इस लिए इस ताजी घटना का असर भी होगा , वल्कि असर होना शुरू भी होगा है 7 पंजाब में खालिस्तानी आतंकियों ने यह कारनाम कर दिया है 7 अपने जन्म से लेकर अब तक पाकिस्तान की यह त्रासदी रही है कि वहाँ राजनैतिक अस्थिरता फन फैलाये पाकिस्तानी नेताओं को ही नहीं भारत को भी डसती रहती है 7 भारत पर पांच युद्ध और जेहादी आतंकवाद का कीचड़ इसी पाकिस्तानी राजनैतिक अस्थिरता का दुष्परिणाम है 7 आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि पाकिस्तान में 15 अगस्त 1947 से लेकर आज तक एक भी सरकार अपना कार्य काल पूरा नहीं कर सकी है 7 मरहूम मौहम्मद अली जिन्ना ने जबरन जब पाकिस्तान को जन्म दिया था, तो उनने पाकिस्तान में लोकतांत्रिक शासन पद्धति और धर्मनिरपेक्ष राज्य व्यवस्था को स्वीकार किया था, पर अब वहाँ ना तो लोकतंत्र ही बचा है और धर्म निर्पेक्षता का आलम तो यह है कि पाकिस्तान में सभी हिन्दू और सिख्खों के एतिहासिक एवं प्राचीन मंदिरों और गुरुद्वारों को कट्टर पंथियों ने जला कर ना केवल जमी दोज कर दिया है, वल्कि हिन्दू और सिख्ख परिवारों की नाबालिग बच्चियों को जबरन पकड़ पकड़ कर जेहादी आंतकियों तथा वयोवृद्ध मौलवियों के साथ निकाह कर उनका धर्मान्तरण करा दिया जाता है 7 आज फिर से वहाँ राजनैतिक अस्थिरता का ÷दौर ए जश्न÷ प्रारम्भ हो गया है , तो पाकिस्तान अपनी कटती नाक बचाने के लिए भारत के विरुद्ध कश्मीर राग अलापना प्रारम्भ कर देगा, अपने भारतीय स्वभर्मी जेहादियों से भारत पर हमले करायेगा और फिर अपने आका अमरीका और चीन को भारत सरकार का भय दिखा कर भीख में हथियार और डालर भी मांगेगा 7 पाकिस्तान की राजनैतिक अस्थिरता उसका एक स्थाई उद्योग भी है 7 वहाँ राजनैतिक चलन एक व्यापार की तरह है और पाकिस्तान की सत्ता के जो शक्ति के तीन केन्द्र हैं आई. एस. आई. , सेना और कट्टरपंथी भारत विरोधी कठमुल्ले, वह जेहाद को व्यापार की तरह स्तेमाल कर रहे हैं 7 आज फिर से पाकिस्तान दुर्गति के शिखर पर खड़ा हुआ है और अपनी राजनैतिक नाकामी को छिपाने के लिए भारत का स्तेमाल कर सकता है 7 अत- पाकिस्तान की इस नये राजनैतिक संकट से भारत सरकार और हमारी रक्षा एवं सुरक्षा एजेंन्सियों को सावधान रहना चाहिए।

जया किशोरी के भजनों पर खूब नाचे श्रद्धालु

कहा - बच्चों की गलती पर कभी पर्दा ना डालें,कथा सुनने पहुंचे कई दिग्गज

ग्वालियर। हरीशंकर पुरम में रविवार को श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन जया किशोरी ने भगवत भजनों की 1ः00 के बाद एक प्रस्तुति दी श्रद्धालु भी उन्हें छोड़ने को तैयार नहीं थे और जब दे व्यास वेद व्यास पीठ से उतर कर अपनी कार की ओर बढ़ी वह भी उनके पीछे पीछे चल दिए। 7 दिन के कथा योग के बाद वियोग का ये ऐसा भावुक पल था कि जो सभी भक्तों की स्मृतियों में कैद हो गया। इस मौके पर दंदरौआ के के संत रामदास महाराज लघु उद्योग निगम की अध्यक्ष इमरतीदेवी विधायक प्रवीण पाठक कांग्रेस नेता सुनील शर्मा कथा परीक्षत संगीता राजकुमार नगरिया नीतू संजय नगरिया सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

अंतिम दिन की कथा दोपहर 12ः00 बजे से आरंभ हुई। सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए देवी जया किशोरी ने कहा कि जब हम किसी दूसरे का हक खाते हैं तो अपने जीवन में दरिद्रता लिख लेते हैं। सुदामा ने कृष्ण से छुपाकर चने खाए जिसकी वजह से उन्हें दारिद् दुख झेलना पडा। जरासंध और भीम के युद्ध का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि भीम ने श्री कृष्ण की ओर देखकर इशारा समझ लिया और जरासंध को दोपहर कर दिया इसी तरह यदि हम भगवान को देखेंगे तो वह भी हमें देखेगा और हर समस्या का समाधान करें,प्रकाश ने हवन किया कि बच्चों से जबरदस्ती नहीं करें। बच्चों को क्या करना है यह बताएं कैसे करना है यह उन्हें खुद तय करने दें। लेकिन बच्चों की गलती पर कभी पर्दा ना डालें। गलतियों पर पर्दा न डाला गया होता तो कभी महाभारत का युद्ध नहीं होता।

पत्रकारों को व्यासपीठ से आशीर्वाद

अंतिम दिवस शहर के पत्रकार जोगेंद्र सेन, नरेंद्र कुईया ,अनिल शर्मा, अरुण शर्मा ,लोकेंद्र भार्गव, रामकिशन कटारे ,छोटू जायसवाल, शशिभूषण पांडेय, मुकेश वाथम, रघुवीर कुशवाहा, को सम्मानित किया गया।

जल की एक एक बूंद को सहेजें : शेजवलकर

जल संगोष्ठी एवं जल यात्रा के दौरान सांसद शेजवलकर ने किया ग्रामीणों से संवाद

ग्वालियर। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अनुक्रम में मनाए जा रहे पखवाड़े के अंतर्गत जनपद पंचायत घाटीगांव की ग्राम पंचायत रेंहट के घैंघोली ग्राम में निर्मित अमृत सरोवर तालाब पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्वालियर जिले के सांसद विवेक नारायण शेजवलकर थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर ग्वालियर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के द्वारा की गई एवं कार्यक्रम का आयोजन सीइओ जिला पंचायत ग्वालियर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्वालियर ग्रामीण के अध्यक्ष कौशल शर्मा ,जनपद पंचायत घाटीगांव की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा दिलीप रावत, डा. अशोक पटसारिया सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक चंबल संभाग उपस्थित रहे। मौके पर उपस्थित ग्रामीण जनों एवं अमृतसरोवर के यूजर ग्रुप तथा स्व सहायता समूह की महिलाओं के साथ सांसद शेजवलकर द्वारा संवाद स्थापित किया गया।

इस अवसर पर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने संवाद करते हुए कहा कि पानी के उपयोग एवं उसके महत्व पर प्रकाश डाला गया, श्री शेजवलकर के द्वारा ग्रामीण जनों से अपील की गई कि वे पानी की एवं वर्षा के जल की एक एक बूंद को चाहो सहेजें एवं संरक्षित करें. क्योंकि पानी एक ऐसा प्राकृतिक जीवन का आधार तत्व है जिसे हम बना नहीं सकते केवल उसको संरक्षित कर सकते हैं। इसलिए हमें ऐसे बहुत से संरचनाओं का निर्माण करना चाहिए और पुरानी जल संरचनाओं को सहेजने में अपना योगदान देना चाहिए। सांसद के द्वारा यह भी सलाह दी गई कि ग्रामीण जनों को अपनी पारंपरिक खेती से हटकर आधुनिक खेती,उद्यानिकी फसलों, फल फूल एवं सब्जी इत्यादि के उत्पादन की तरफ अग्रसर होना चाहिए। इससे ना केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी बल्कि उनका पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन भी ऊंचा होगा।

102 अमृत सरोवर कार्यों का चिन्हाकन

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के द्वारा बताया गया कि ग्वालियर जिले में कुल 102 अमृत सरोवर कार्यों का चिन्हाकन कर कार्य प्रारंभ कराए गए जिनमें से 51 तालाब पूर्ण हो चुके हैं। ग्वालियर जिले में अमृत सरोवर तालाब की औसत लागत लगभग 17.54 लाख रुपए है। साथ ही कलेक्टर ग्वालियर के द्वारा यही बताया गया है कि अमृत सरोवर के आसपास के यूजर ग्रुप को भविष्य में उद्यानिकी फसलों एवं सब्जी उत्पादन इत्यादि गतिविधियों से जोड़ा जाएगा ताकि उनके आमदनी एवं रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि हो।

ग्वालियर ग्रामीण के अध्यक्ष कौशल

विकास कार्य निरंतर होते रहेंगे : मंत्री कुशवाह

मंत्री कुशवाह एवं महापौर सिकरवार ने किया वार्ड 63 में 61 लाख 70 हजार रुपए के विकास कार्यों का भूमि पूजन

ग्वालियर। प्रदेश सरकार के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह और महापौर डॉ शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने रविवार को ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 63 में 61 लाख 70 हजार रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती उमा शिव सिंह यादव सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं नगर निगम के अधिकारी गण उपस्थित रहे। रुद्रपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्वालियर नगर निगम के वार्ड 63 में 11 लाख 25 हजार रुपए की लागत से रामधुन का पुरा में बनने वाले सामुदायिक भवन व 27 लाख 95 हजार रुपए की लागत से रुद्रपुरा में शमशान घाट की बाउंड्री वॉल व अन्य निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।इसके साथ ही वार्ड 63 में 22 लाख 50 हजार रुपए की निगम निधि से रायरू शमशान घाट की बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि शहर के ग्रामीण क्षेत्रों के वार्ड में मूलभूत सुविधाओं के विकास में सरकार के स्तर पर किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी तथा विकास कार्य निरंतर होते रहेंगे।

स्वच्छता के लिए आगे आकर सहभागिता करेंःडॉ शोभा

इस अवसर पर महापौर डॉ शोभा सिंह सिकरवार ने कहा कि नगर निगम निधि से शहर के सभी वार्डों में विकास कार्य कराए जा रहा हैं। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से कहा कि सभी नागरिक अपने ग्वालियर शहर के विकास एवं स्वच्छता के लिए आगे आकर सहभागिता करें।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती उमा शिव सिंह यादव ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्ड 63 में विकास के बहुत कार्य होने हैं क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए हम सभी एक साथ मिलकर कार्य करेंगे। इस अवसर पर मोहन सिंह कुशवाह, गंगाराम पटेल, राजेश कुशवाह, रमेश काका , ध्रुव मास्टर, रामबरन, नीरज, गजेंद्र सिंह, मूलचंद, जसवंत, सुघर सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक गण उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान

कस्तूरबा डे केयर सेन्टर पर निःशुल्क नेत्र शिविर सम्पन्न

ग्वालियर। रत्न ज्योति चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान ग्वालियर के कम्पू स्थित कस्तूरबा डे केयर सेन्टर पर विशाल निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन का शिविर आयोजित किया गया। संस्थान के कम्पू डे केयर सेन्टर प्रभारी डा के के अग्रवाल ने बताया कि शिविर 150 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। और 40 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया। मरीजों आवश्यकता अनुसार आंखों की दवाइयां वह डायबिटीज की दवा भी निःशुल्क प्रदान की गई।इस अवसर पर संस्था के संयोजक डा मुकेश जैन, शिविर संयोजक गोपाल सिंह कुशवाह, निदेशक अशोक कुमार गुप्ता, व्यवस्थापक श्रीमती शिवकुमारी क्षैत्रिय के साथ रत्न ज्योति चेरिटेबल ट्रस्ट के डा विनोद भदौरिया,डा सतेन्द्र अग्निहोत्री,डा संजय खान सहित संस्थान के वरिष्ठ सदस्य राम गोपाल राठौर, हरिशंकर प्रधान, राजेंद्र झा आदि उपस्थित रहे।

वीरों का योगदान देता है राष्ट्रप्रेम की प्रेरणाः किशोर कन्याल

सैनिक असहज परिस्थिति को सहज करने हेतु सजग रहते हैं-- स्वामी ऋषभदेवआनंद

जो धर्म युद्ध से दूर भागते हैं वह सदा कलंकित रहते हैं --स्वामी प्रेमानंद महाराज

ग्वालियर। धर्म युद्ध हो या राष्ट्र पर विपत्ति हमारे धर्म योद्धाओं ने और सैनिकों ने अपने त्याग समर्पण से बलिदान से यह यह कर दिखाया है जैसा ही भेजे थे जैसा की विधित है हम जानते हैं जब जब भारत माता की सुरक्षा को लेकर के कोई खतरा दिखाई देता है तो उस खतरे से निपटने के लिए सीमा पर हमारे वीर सैनिक सीना ताने खड़े होते हैं और हम सब खुली आंखों से उनके इस कर्म को या सेवा को देखते हैं वह अपनी जान देकर भी राष्ट्र को सुरक्षित रखते हैं कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने आप को बलिदान कर देते हैं ऐसे अमर बलदानिया और वीरों का यश गान हमें हमेशा राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता है उक्त विचार श्री कृष्णायन देशी गौ रक्षा एवं गौ लोकधाम सेवा समिति द्वारा आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में देश के अमर बलिदानियों को समर्पित शौर्य को नमन कार्यक्रम मैं निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने व्यक्त किए उन्होंने कहा देश की सुरक्षा सैनिक करते हैं लेकिन हम सब का भी देश के अंदर सार्वजनिक जीवन में कुछ योगदान बनता है आज स्वच्छता के लिए सरकार प्रयास कर रही है हम सब लोग एक दूसरे को जागरूक करें की गंदगी को इधर उधर ना फेके उचित स्थान पर ही कचरा डालें और स्वच्छता में अपना योगदान दें ग्वालियर को स्वच्छ बनाने में हम सब भागीदार बने / स्वामी ऋषभदेवनन्दने कहा कि संत सम और विषम परिस्थितियों में सदैव सहज रहते हैं और सैनिक असहज परिस्थिति को भी सहज करने हेतु सजग रहते हैं कितनी भी कठिन परिस्थिति हो चाहे तूफान से लड़ना हो चाहे बाढ़ से लड़ना हो चाहे सूखा से लड़ना हो चाहे कोरोना से लड़ना हो महामारी से लड़ना हो हमारे वीर सैनिक बड़ी से बड़ी महामारी बड़ी से बड़ी समस्या को भी अपने विवेक और धैर्य से सहज कर लेते हैं कि देशवासियों को सोता ही विश्वास हो जाता है कि इतनी बड़ी समस्या और भारत सरकार ने जब सेना को टास्क दे दिया है तो अब यह समस्या रहने वाली नहीं है तो देश का विश्वास अगर किसी ने जीता है तो वह हमारे वीर सैनिक हैं! स्वामी प्रेमानंद जी महाराज ने कहा कि यह भारत भूमि सदैव से वीरों की भूमि रही है आदिकाल मैं भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा कि हे अर्जुन तुम्हें युद्ध के मैदान में युद्ध करना चाहिए तुम्हें इस कुरुक्षेत्र से वापस नहीं जाना चाहिए धर्म की रक्षा के लिए राष्ट्र की रक्षा के लिए जो प्राण देते हैं उसे मोक्ष प्राप्त होता है और इतिहास में सम्मान की दृष्टि से याद किया जाता है यदि आज तुम धर्म युद्ध नहीं करोगे तो इतिहास में सदैव कलंकित रहोगे आज भी ऐसी वीरांगना है माता है जिन्होंने अपने बच्चों को वीर अर्जुन इसी तरह राष्ट्र सेवा के लिए भेजा वीर माताएं कायर बच्चों पर गर्व नहीं करती बल्कि जो उनके संबंधी राष्ट्र सेवा में वीरगति को प्राप्त होते हैं उन पर गर्व करती हैं जो राष्ट्र सेवा में वीरता पूर्वक छोड़ दिखाते हैं उन पर गर्व करती हैं संपूर्ण भारत ऐसे वीरों ऐसे बलिदानियों पर और ऐसी वीरांगना माताओं पर गर्व करता है बलिदानी परिवारों को सम्मानित किया गया बलिदानी परिवारों के नाम- कारगिल शहीद सरमन सिंह सेंगर(सेना मेडल) पत्नी सरोज देवी, धन्यवाद सपना शहीद राजू सिंह तोमर माताजी राम जानकी देवी ,शहीद दारा सिंह पत्नी रामबाई देवी, शहीद मुन्नालाल सिंह पत्नी मुन्नी देवी ,शहीद रवि कुमार जादौन पत्नी रेखा जादौन, शहीद मनोज कुशवाह पत्नी गिरिशा देवी, शहीद रामवीर सिंह तोमर पत्नी साकेत देवी, कार्यक्रम का संचालन अंशुमान सेंगर ने किया। इस अवसर पर मंत्रिता शर्मा , आराध्या शर्मा देशभक्ति नृत्य की प्रस्तुति दी इस अवसर पर कैप्टन राम सिंह तोमर, भगवंत सिंह तोमर ,सूबेदार वीरेंद्र सिंह यादव, जितेंद्र सिंह गुर्जर ,बल्लू गुर्जर आदि देशभक्त उपस्थित रहे।

दाऊ अर्जुन सिंह के पास हर समस्या का समाधान होता थाः यदुनाथ तोमर

पूर्व मुख्यमंत्री स्व.अर्जुन सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

ग्वालियर। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने दो बार के मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री (दिवंगत) अर्जुन सिंह को उनकी जयंती पर शनिवार को याद किया, जो अपने दौर में भारतीय राजनीति के चाणक्य कहे जाते थे। इस अवसर पर सिटी सेंटर साइड नंबर वन में एक मेगा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री यदुनाथ सिंह तोमर के यहाँ सैकड़ों पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

राज्य से केंद्र स्तर तक सिंह का लंबा राजनीतिक कार्यकाल रहा। कांग्रेस के दिग्गज नेता जिन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री (9 जून, 1980- 10 मार्च, 1985 और 14 फरवरी, 1988 - 23 जनवरी, 1989) के कार्यकाल के दौरान काम किया था. आपातकाल के बाद भारी हार के बाद पार्टी को स्थापित करने के उनके प्रयासों को आज याद किया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और प्रदेश महामंत्री यदुनाथ सिंह तोमर ने कहा कि उनके समय में राज्य में जबरदस्त विकास हुआ। उन्होंने दावा किया कि वह वास्तव में ऐसे नेता थे जिनके पास हर समस्या का समाधान होता था। कमजोर वर्ग के समाज को सशक्त बनाने के लिए उनकी शीतलता और अथक परिश्रम ने उन्हें एक जन नेता बना दिया।उन्होंने कहा कि दाऊ साहब चारो धर्म के ही नही विश्व के समस्त धर्मो के प्रति अटूट श्रद्धा रखते थे। उनका एक ही संकल्प था जनमानस की सेवा। उनके लिये हम ये कह सकते है ÷जन सेवा किए बिना मोए कहां विश्राम÷वो कहते थे।

ये रहे उपस्थित

उनको श्रद्धाजंलि देने बालों में मध्यप्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के सचिव भानूप्रताप सिंह तोमर, राममंदिर ब्लाक कॉंग्रेस ग्वालियर के कार्यवाहक अध्यक्ष राजीव दीक्षित, किसान कॉंग्रेस के देवेंद्र पाठक, रामवीर सिंह गुर्जर, शैलेन्द्र उपाध्याय, युवक कांग्रेस के विकाश खरे,उपभोक्ता कॉंग्रेस के हिमांशु अर्स, समाज सेवी डॉ रविन्द्र सिंह राजावत, कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय सिंह पाल,पप्पू पाल, विजय सिंह सखवार, अभय प्रताप सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।दाऊ साहब को याद करते हुए गरीबो को फल व मिष्ठान का वितरण किया गया।

सर्व के सहयोग से सुखमय संसार : बीके आदर्श दीदी

ग्वालियर । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के समाज सेवा प्रभाग द्वारामेड़ क्षत्रिय स्वर्णकार महिला संगठन महिला संगठन के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया7 कार्यक्रम में मुख्य रूप से मेड़ क्षत्रिय स्वर्णकारमहिला संगठन की अध्यक्ष सुशीला सोनी, सचिव मंजू सोनी, कोषाध्यक्ष अंजू सोनी, उपकोषाध्यक्ष शिप्रा सोनी, उपाध्यक्ष ममता सोनी, उपसचिव श्रुति सोनी, प्रचार मंत्री अल्पना सोनी, ब्रह्माकुमारी? लश्कर ग्वालियर की मुख्य इंचार्ज ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी जी और ब्रह्माकुमार प्रहलाद भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुवात में स्वर्ण कार महिला संगठन की बहनों का स्वागत दुपट्टा ओढाकर एवं तिलक लगा कर किया गया। तत्पश्चात ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी ने सभी को आशीर्वचन देते हुए कहा कि आज सभी लोग एक दूसरे से सम्मान की या सहयोग की अपेक्षा रखते हैं परन्तु हम सभी का उद्देश्य सबका सहयोग करना होना चाहिए तो हमें भी स्वतः सम्मान और सहयोग मिलेगा7 सभी लोग प्रेम, शांति, सुख को बाहर ढूंढते हैं लेकिन यह हमारे मूल गुण और स्वधर्म है बस ?रूरत है उसे पहचान कर जीवन में अनुभव करने की 7स्वर्णकार महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला सोनी ने अपना अनुभव सभी के समक्ष रखते हुए बताया कि हम सभी के जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान होना अतिआवश्यक है और मैं यहाँ उपस्थित सभी को यह कहना चाहूंगी कि अपने जीवन में से कुछ समय निकाल कर ब्रह्माकुमारी संस्था में आकर आध्यात्मिक शिक्षा लें और मैडिटेशन सीखें जिस तरह मैं अपने जीवन में परिवर्तन का अनुभव कर रही हूँ 7 वैसे आप भी अपने जीवन को सुखमय बना सकते है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478